दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित एनसीआर (इंडिया) का हिन्दी दैनिक

मो.9643311765

सत्यजय टाईम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष-15 अंक-97 वीरवार 09 अप्रैल, 2026, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद (एनसीआर) से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com Satyajay Times satyajaytimes

हरियाणा में अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी अब 15,220 रुपये

बंगाल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार, भाजपा सरकार बनना तय : नायब सिंह सैनी

- हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले

चंडीगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज चंडीगढ़ में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश के श्रमिक वर्ग के हित में बड़ा फैसला लेते हुए अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 15,220 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से प्रदेश के लाखों अकुशल श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र में उन्होंने घोषणा की थी कि एक्सपर्ट कमेटी ने अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाने की सिफारिश की है। आज मंत्रिमंडल ने इस घोषणा को पूरा करते हुए मजदूरी 15,220 रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। न्यूनतम मजदूरी में यह वृद्धि न केवल अकुशल श्रमिकों की आय बढ़ाएगी, बल्कि उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती देगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज कैबिनेट के समक्ष कुल 7 एजेंडे रखे गए, जिनमें से 6 एजेंडे पारित हुए।

प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने की मजबूत पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। बंगाल की जनता अब परिवर्तन चाहती है और वहां विकास, उद्योग, महिलाओं की सुरक्षा तथा सुशासन के लिए भाजपा पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक वामपंथी शासन और उसके बाद ...

शेष पेज 4 पर...

एलजी और सीएम ने यमुना बाजार और वासुदेव घाटों का लिया जायजा

मानसून से पहले तैयारी पूरी करने का आदेश

नई दिल्ली, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने वासुदेव घाट और यमुना बाजार घाट का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि घाटों से संबंधित सभी कार्य तय समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'घाटों की स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और चल रहे पुनर्जीवन कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य तय समय सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे हों। गाद निकालने के काम मिशन मोड में तेज किए जाएं और मानसून से पहले सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।'

सीएम ने कहा, 'यमुना हमारी आस्था और विरासत की धारा है। उसके तटों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना हमारी प्राथमिकता है। स्वच्छ यमुना का जो संकल्प हमने लिया है, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ जमीन पर उतारा जा रहा है।'

50 हजार की रिश्वत लेते कृषि उपनिदेशक गिरफ्तार

सोनीपत, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। रोहतक की टीम ने सोनीपत में तैनात कृषि उपनिदेशक डॉ. पवन शर्मा को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। अधिकारी पर थोक उर्वरक लाइसेंस जारी करने के बदले एक लाख रुपये की मांग का आरोप था। आरोप है कि वह पहले ही आधी रकम ले चुका था।

एसीबी प्रवक्ता के अनुसार गांव जांटी कलां निवासी राजकुमार ने शिकायत दी थी कि थोक उर्वरक का लाइसेंस जारी करने के बदले कृषि उपनिदेशक ने उनसे एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोप था कि आरोपी पहले ही 50 हजार रुपये ले चुका था और बाकी रुपये के लिए लगातार दबाव बना रहा था। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद टीम ने कार्रवाई के लिए रोहतक के आरटीए को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया था, जबकि डीएसपी सोमबीर और निरीक्षक भगत सिंह के नेतृत्व में टीम ने पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया।

बुधवार को निरीक्षक भगत सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉ. पवन शर्मा को लघु सचिवालय परिसर स्थित उसके कार्यालय से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते ही काबू कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है। टीम मामले में अन्य की भूमिका का भी पता लगा रही है। टीम आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेने का प्रयास करेगी। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के प्रमुख एएस चावला ने कहा कि प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी नीति के तहत रिश्वत लेने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

ताऊ – अरे मौल्लड़ ईरानी सभ्यता के अन्त की रात से युद्ध विराम की सुबह तक ट्रम्प का यू टर्न।
मौल्लड़ – ताऊ गिरगिटिया रंग बदलने की ट्रम्प मजबूरी।
ताऊ – सीधा बता मजबूरी समझा।
मौल्लड़ – ट्रम्प का घटता अप्रूवल ,अमेरिकी चुनाव, नेटो का किनारा, हारमुज पर ईरानी कब्जा, वैश्विक ऊर्जा संकट, अरब देशों पर हमले यही ट्रम्प की मजबूरी।

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संपादकीय

भरोसे की ताकत

मानव मन एक अद्भुत पहेली है, जो एक क्षण में ब्रह्मांड की सीमाओं को लांघ सकता है और दूसरे ही पल एक छोटी-सी आशंका के पिंजरे में कैद हो सकता है। हम कल्पना करें कि हमने अभी-अभी कोई महत्त्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया है। चारों ओर प्रशंसा के शब्द गूंज रहे हैं और हमें सम्मान मिल रहा है। सफलता के उस शिखर पर मन में केवल संतोष होना चाहिए, लेकिन जैसे ही शोर थमता है और हम खुद के साथ होते हैं, तो हमारा मन शांत होने के बजाय एक अजीब-सी उथल-पुथल में घिर जाता है। हमारा मस्तिष्क अचानक एक जासूस की भूमिका निभाते हुए पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण करने लगता है। वह बार-बार उसी एक पल पर अटक जाता है, जहां कुछ अधूरा रह गया था- मैं उस समय क्यों हिचकिचाया? क्या मैं और बेहतर बोल सकता था? भले ही हमारी सफलता सौ फीसद रही हो, लेकिन दिमाग न जाने क्यों उस एक फीसद की खामी को ढूंढ़ निकालता है। यह स्थिति एक ऐसे मानसिक भ्रम की रचना करती है, जो हमारी पूरी सफलता की चमक को सोखने लगती है। दरअसल, बरसों से हमारे दिमाग को गलतियां ढूंढने और जोखिमों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जब हम दिन भर समस्याओं को सुलझाने और खुद को त्रुटिहीन बनाने की दौड़ में लगे रहते हैं, तो वही तेज दिमाग घर आने के बाद भी अपनी गति को नियंत्रित करना भूल जाता है।

यह नकारात्मक चिंतन का एक चक्र है, जो हमारे निजी रिश्तों और खुशियों में दखल देने लगता है। हमें लगता है कि हम सुधार के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन वास्तव में यह मन को थकाने वाला एक व्यर्थ चक्र है। इतिहास गवाह है कि बड़े-बड़े विद्वानों का मन भी कभी-कभी उनका साथ छोड़ देता था। आधुनिक विज्ञान के आधार स्तंभ सर आइजैक न्यूटन अक्सर छोटी-छोटी आलोचनाओं पर हफ्तों तनाव में रहते थे। न्यूटन का मस्तिष्क ब्रह्मांड के रहस्यों को तो सुलझा लेता था, लेकिन स्वयं की शांति बनाए रखना उनके लिए चुनौती थी। वे अपनी खोजों को दुनिया के सामने रखने से इसलिए डरते थे कि कहीं कोई उनमें कोई कमी न निकाल दे।

इस तरह के उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि बुद्धि एक तेज औजार की तरह है। अगर इसे सही नियंत्रण के साथ नहीं संभाला गया, तो यह स्वयं को ही चोट पहुंचा सकती है। इसी तरह, महान सिविल इंजीनियर सर एम विश्वेश्वरैया की नजर इतनी पैनी थी कि वे चलती रेलगाड़ी में केवल कंपन महसूस करके पटरी की दरार भांप लेते थे। कार्य के प्रति यह सजगता अद्भुत थी, पर इसका अर्थ यह भी था कि उनका मन हमेशा एक सतर्क भाव में रहता था। आज सब एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं। हम अक्सर अपनी छोटी-छोटी खुशियों की अनदेखी कर देते हैं। पहले हमारी तुलना केवल करीबियों से होती थी, लेकिन आज हम अपनी तुलना पूरी दुनिया से कर रहे हैं। हम अपनी सफलताओं का जश्न मनाने के बजाय अपनी कमियों का शोक मनाने में अधिक समय बिताते हैं। आत्म-आलोचना तभी तक उपयोगी है, जब तक वह हमें आगे बढ़ने में मदद करे। जब यह आलोचना हमें मानसिक रूप से कमजोर बनाने लगे, तो इसे तुरंत रोकने का समय आ जाता है।

सच्ची आजादी इसी में है कि हम अपने मन को आलोचक के बजाय एक दोस्त की तरह इस्तेमाल करना सीखें। हमें अपनी समझ को रोकने की जरूरत नहीं है, बस इसे सही समय पर सही दिशा देना सीखना होगा। अगर हम किसी एक ही बात को बिना नतीजे के बार-बार सोच रहे हैं, तो यह विचार नहीं, बल्कि मन का भटकाव है। नकारात्मक विचारों को एक तटस्थ दर्शक की तरह देखना और खुद से पूछना चाहिए कि क्या उन आशंकाओं का वास्तव में कोई आधार है। जब मन जासूस बनने लगे, तो उसे याद दिलाने की जरूरत है कि हमें मिली सफलता में हमारी मेहनत का हाथ है। यह समझना भी जरूरी है कि हमारी मानसिक ऊर्जा सीमित है। अगर हम इसे पुरानी बातों को कुरेदने में खर्च कर देंगे, तो भविष्य की नई संभावनाओं के लिए हमारे पास कुछ नहीं बचेगा। हर नया दिन एक नया अवसर होता है, और उसे कल की गलतियों की छाया में व्यर्थ करना बुद्धिमानी नहीं है। अपनी क्षमताओं को स्वीकार करना और अपनी सीमाओं के साथ शांति बनाना ही व्यक्तित्व विकास का असली आधार है।

सच्ची आजादी इसी में है कि हम अपने मन को आलोचक के बजाय एक दोस्त की तरह इस्तेमाल करना सीखें। हमें अपनी समझ को रोकने की जरूरत नहीं है, बस इसे सही समय पर सही दिशा देना सीखना होगा। अगर हम किसी एक ही बात को बिना नतीजे के बार-बार सोच रहे हैं, तो यह विचार नहीं, बल्कि मन का भटकाव है। नकारात्मक विचारों को एक तटस्थ दर्शक की तरह देखना और खुद से पूछना चाहिए कि क्या उन आशंकाओं का वास्तव में कोई आधार है। जब मन जासूस बनने लगे, तो उसे याद दिलाने की जरूरत है कि हमें मिली सफलता में हमारी मेहनत का हाथ है। यह समझना भी जरूरी है कि हमारी मानसिक ऊर्जा सीमित है। अगर हम इसे पुरानी बातों को कुरेदने में खर्च कर देंगे, तो भविष्य की नई संभावनाओं के लिए हमारे पास कुछ नहीं बचेगा। हर नया दिन एक नया अवसर होता है, और उसे कल की गलतियों की छाया में व्यर्थ करना बुद्धिमानी नहीं है। अपनी क्षमताओं को स्वीकार करना और अपनी सीमाओं के साथ शांति बनाना ही व्यक्तित्व विकास का असली आधार है। अक्सर हम दूसरों की नजरों में खुद को साबित करने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि दुनिया हमें वैसे ही देखेगी जैसे हम खुद को देखते हैं।

जीवन के इस सफर में स्वयं को माफ करना और अपनी उपलब्धियों का सम्मान करना सीखना चाहिए। प्रत्येक बाधा केवल एक नया सबक है, न कि हमारी योग्यता पर कोई स्थायी प्रश्नचिह्न। काम के बाद प्रकृति के करीब समय बिताना या शांत बैठना दिमाग को संदेश देता है कि अब विश्राम का समय है। खुद के प्रति उदार होना ही वह चाबी है जो हमें इस वैचारिक जेल से बाहर निकाल सकती है। हमने अपने जीवन में जो मुकाम हासिल किया है, उसे बनाने में सालों की मेहनत लगी है। उस मेहनत का मूल्य समझना चाहिए और अपनी उपलब्धियों को केवल धन-दौलत के तराजू में नहीं तौलना चाहिए। हमारी बुद्धि एक वरदान है। इसे खुद को नुकसान पहुंचाने का हथियार नहीं बनने देना चाहिए। कमियां ढूंढ़ने वाले मन को यह सिखाना हमारी जिम्मेदारी है कि उसे कब शांत होना है। हमारी भावनाएं कोई गलतियां नहीं हैं, वे हमारे जीवित होने का प्रमाण हैं। दुनिया की तमाम सफलता एक तरफ है, लेकिन हमारा आंतरिक सुकून ही हमारी सबसे असली पूंजी है। हमें व्यर्थ की चिंताओं को त्यागना चाहिए और अपनी मेहनत काबिलियत पर अडिग विश्वास बनाए रखना चाहिए। धरती पर जीवन अगर बिना चुनौतियों के होता, तो क्या हर कोई सच में खुश होता? शायद नहीं। दरअसल, किसी लक्ष्य को पाने के बाद जो संतोष मिलता है, वह केवल परिणाम से नहीं, बल्कि उस तक पहुंचने की यात्रा से जन्म लेता है। असफलता के बाद खुद को तराशने का जो अवसर मिलता है और फिर सफलता के साथ जो अनुभूति होती है, वही जीवन को सार्थक बनाती है। अगर ये संघर्ष और ठोकरें न हों, तो जीवन नीरस, अधूरा और लक्ष्यहीन हो जाए।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध संप्रभुता से ज्यादा संसाधनों का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य ऊर्जा लॉकडाउन का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना कोरोना काल की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह ऊर्जा लॉकडाउन की ओर धकेल सकता है।

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति युद्धस्तर पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की लाइफलाइन केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था वेंटिलेटर पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला रेमिटेंस भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे? वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई

को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे अन्नदाता ही ऊजार्दाता बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थायी, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे। भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें ऊर्जा में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है। ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक प्रलय का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है।

गाजा और ईरान युद्ध के बाद अरब देशों का भरोसा अमेरिका से उठा

मध्य पूर्व आज बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का ज्वलंत उदाहरण बन चुका है। जिस अमेरिका ने दशकों तक इस क्षेत्र को अपनी रणनीतिक मुट्ठी में रखा, वही आज यहां अपनी पकड़ खोता नजर आ रहा है। पहले गाजा में तबाही और अब ईरान युद्ध से उपजे हालात अरब देशों को गहरी चिंता में डाल गये हैं। गाजा में हमले और ईरान युद्ध से लाखों लोग बेघर हुए, हजारों जिंदगियां खत्म हुईं और पूरे क्षेत्र में तबाही का मंजर फैल गया। इस सबसे अरब दुनिया के लोगों के दिल और दिमाग में बड़ा बदलाव आया है। हम आपको बता दें कि अरब दुनिया में अब अमेरिका के लिए भरोसा लगभग खत्म हो चुका है।

जनता उसे एक पक्षीय, अवसरवादी और नैतिक रूप से कमजोर शक्ति के रूप में देख रही है। इसके उलट चीन और रूस को अधिक संतुलित और भरोसेमंद विकल्प माना जाने लगा है। लोग अब यह मानने लगे हैं कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून की बात केवल तब करता है जब उसे फायदा हो। अरब देश यह भी देख रहे हैं कि गाजा अब भी मलबे में दबा है और वहां पुनर्निर्माण की कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। इसके अलावा, इस युद्ध की सबसे भारी कीमत खाड़ी देशों को चुकानी पड़ रही है। पर्यटन, जो उनकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वह बुरी तरह हिल गया है। अनुमान है कि पर्यटन राजस्व में 13 अरब से 32 अरब डॉलर तक की गिरावट आ सकती है। यह गिरावट तब हो रही है जब 2024

में इन देशों ने पयर्टन से 120 अरब डॉलर का राजस्व कमाया था। इतना ही नहीं, एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अरब देशों को इस युद्ध से करीब 200 अरब डॉलर तक का कुल नुकसान हो सकता है। यानी यह सिर्फ आर्थिक झटका नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संकट का संकेत है। इसके अलावा, खाड़ी देशों ने दशकों तक अमेरिका को अपने यहां सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति देकर यह भरोसा किया था कि इससे उनकी सुरक्षा मजबूत होगी और वह किसी भी बाहरी खतरे से सुरक्षित रहेंगे। लेकिन ईरान के साथ हालिया युद्ध ने इस धारणा को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है।

हकीकत यह सामने आई कि यही अमेरिकी अड्डे खाड़ी देशों के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन गए। ईरान ने सीधे तौर पर उन ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाया जहां अमेरिकी मौजूदगी थी और इसके चलते हमले खाड़ी देशों की जमीन पर हुए। नतीजा यह हुआ कि नुकसान केवल अमेरिका का नहीं, बल्कि खाड़ी देशों का भी हुआ और उनकी सुरक्षित निवेश गंतव्य तथा स्थिर क्षेत्र की छवि को गहरा आघात पहुंचा। इसलिए सबसे गंभीर सवाल यह उठता है कि जब संकट की घड़ी आई तो अमेरिका अपने ही सैन्य अड्डों के आसपास स्थित देशों को पूर्ण सुरक्षा नहीं दे सका। ऐसे में अब यह बहस तेज हो रही है कि क्या खाड़ी देश भविष्य में अमेरिका को अपने यहां सैन्य मौजूदगी जारी रखने देंगे या वह इस मॉडल पर पुनर्विचार करेंगे। यह घटनाक्रम पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि किसी बाहरी शक्ति को अपने भूभाग पर सैन्य अड्डे देने की कीमत कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए मध्य पूर्व में आने वाले समय में रणनीतिक स्तर पर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अरब देश समझ रहे हैं कि अमेरिका की अगुवाई वाली व्यवस्था अब दरक रही है।

अरब देश अब खुलकर या चुपचाप अपने विकल्प तलाश रहे हैं। चीन और रूस के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। रक्षा सहयोग बढ़ रहा है, व्यापारिक साझेदारियां गहरी हो रही हैं और नए बहुपक्षीय मंचों की ओर झुकाव साफ दिख रहा है। साथ ही खाड़ी देशों ने युद्ध से पहले अमेरिका को चेताया था, लेकिन उनकी अनदेखी की गई। अब जब वह खुद नुकसान झेल रहे हैं, तो वह अपने निवेश और गठबंधनों पर दोबारा सोचने को मजबूर हैं।

देखा जाये तो अमेरिका की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी इजराइल के प्रति अंध समर्थन बन चुकी है। अरब जनता इसे अन्याय और दोहरे मापदंड के रूप में देखती है। लोगों का मानना है कि अमेरिका ने न तो मानवाधिकारों की रक्षा की और न ही अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया। यही कारण है कि अब चीन को ज्यादा जिम्मेदार और संतुलित शक्ति माना जा रहा है। यह अमेरिका के प्रभाव के खत्म होने का संकेत है।

साथ ही इस पूरे संकट ने वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं को भी पक्षपाती माना जा रहा है। लोगों का भरोसा नियम आधारित व्यवस्था से उठ रहा है। यह संकेत है कि दुनिया अब एक नई, बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है जहां पश्चिम का प्रभुत्व कमजोर होगा।

वैसे, अमेरिका के पास अभी भी मौका है, लेकिन समय तेजी से निकल रहा है। अगर वह ईरान युद्ध को जल्द खत्म करता है और फिलिस्तीन मुद्दे पर न्यायपूर्ण रुख अपनाता है, तो कुछ हद तक अपनी साख बचा सकता है। लेकिन अगर वही नीतियां जारी रहीं, तो मध्य पूर्व में उसका प्रभाव इतिहास बन सकता है। बहरहाल, अमेरिका की गिरती साख, खाड़ी देशों का आर्थिक संकट और बदलता जनमत यह साफ संकेत दे रहे हैं कि शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। अगर अब भी अमेरिका ने दिशा नहीं बदली, तो मध्य पूर्व में उसकी जगह कोई और लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अफसरों के नाकारापन से नहीं थमेंगे नालंदा मंदिर जैसे हादसे

सरकारी मशीनरी के नाकारा होने के कारण देश में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ जैसे हादसे रुक नहीं रहे हैं। हादसों ऐसी श्रृंखला में नालंदा मंदिर का हादसा भी जुड़ गया है। नालंदा के शीतला माता मंदिर में पूजा करने के दौरान भगदड़ मच गई और इसमें 9 लोगों की जान चली गई। आठ महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कई देशों के छात्रों को डिग्री व मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान दिया गया। राष्ट्रपति की यात्रा की सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। यह हालत है देश में जिम्मेदार मानी जाने वाली चुनी हुई सरकारों की। अधिकारी इस बात का आकलन ही नहीं कर सके कि इतने बड़े आयोजन में कोई हादसा भी हो सकता है। इसी भारी चूक की वजह से मंदिर स्थल पर पुलिस सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया। सारी फोर्स राष्ट्रपति की सुरक्षा के इंतजाम में लगा दी गई।

कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है। साल-दर-साल मची भगदड़ में सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। ये हादसे मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं की चूक, अपवाहें, संकरी जगहों पर अत्यधिक भीड़ और प्रशासन की लापरवाही के कारण होती हैं। देश के सरकारी तंत्र ने विगत वर्षों में हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं सीखा। यही वजह ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति थम नहीं रही है। विगत एक दशक में ऐसा शायद ही कोई साल गया होगा, जब भगदड़ में मौतों की दर्दनाक घटनाएं सामने नहीं आई होंगी।

3 मई 2025 को गोवा के श्री लैरे देवी मंदिर के वार्षिक मेले में पूजा-अर्चना के दौरान भगदड़ मची। इसमें छह श्रद्धालुओं की मौत हुई और लगभग 55 लोग घायल हुए। 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज कुंभ में शामिल होने के लिए ट्रेन पकड़ने की होड़ के चलते मची भगदड़ में 18 यात्रियों की जान गई। 9 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भगदड़ 30 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 60 लोग घायल हुए। इसी तरह 8 जनवरी 2025 आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में छह श्रद्धालुओं की मौत हुई। इसी तरह 2 जुलाई 2024 उत्तर प्रदेश के हाथरस में संत भोले बाबा (नारायण साकार हरि) की सत्संग के बाद भगदड़ मची। इस घटना में कुल 121 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। यह हादसा सुरक्षा प्रबंधों की कमी के चलते हुआ। 31 मार्च 2023 मध्यप्रदेश के इंदौर में रामनवमी पर ढाई तालाब की बावड़ी की छत गिरने के दौरान भगदड़ मच गई। इस हादसे में 36 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हुए। भीड़-नियंत्रण में चूक यहां भी जानलेवा साबित हुई।

इन हादसों के अलावा विगत वर्षों में कटरा जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर, महाराष्ट्र के मंधर देवी, नासिक में कुंभ स्नान, आंध्र प्रदेश के राजामुंद्री, बिहार के पटना में गांधी मैदान, मध्य प्रदेश के दतिया में पुल पर अफवाह फैलने, हरिद्वार में हर-की-पौड़ी घाट पर आयोजित गायत्री महायज्ञ आयोजन, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में हिमाचल के नैना देवी में भगदड़ के दौरान सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। नालंदा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद अन्य हादसों की तरह वही जांच कमेटी बना दी गई। बिहार सरकार की तरफ से मृतकों के परिजनों को सांत्वना राशि की घोषणा कर दी गई। राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से औपचारिकता निभानते हुए घड़ियाली आसूं बहाए गए। किन्तु एक भी जिम्मेदार अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त उपलब्ध है डायलिसिस सुविधा

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। हरियाणा में डायलिसिस सेवाओं को लेकर महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिले हैं। राज्य सरकार ने किडनी से संबंधित गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए डायलिसिस सुविधाओं को सुलभ और किफायती और निशुल्क बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। हरियाणा सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश के जिला नागरिक अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में किडनी के रोग के गंभीर मरीजों को डायलिसिस की सुविधा निशुल्क प्रदान की जा रही है, जिसका पूरा खर्चा सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को डायलिसिस की सुविधा मुफ्त में प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले, इसके लिए सरकार द्वारा लगातार स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और विस्तारीकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर सुधार किए जा रहे हैं। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि डायलिसिस एक ऐसी चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसमें किडनी के ठीक से काम न करने पर मशीन की मदद से खून को साफ किया जाता है। यह प्रक्रिया उन मरीजों के लिए जीवन रक्षक होती है, जो किडनी फेलियर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होते हैं। हरियाणा में बढ़ते किडनी रोगियों की संख्या को देखते हुए सरकार ने जिला स्तर पर जिला नागरिक अस्पतालों में डायलिसिस केंद्र स्थापित किए हैं, जहां प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत मुफ्त डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक बोझ से राहत देना है।

दयालु-टू योजना के तहत प्रदान की जाती है आर्थिक सहायता : उपायुक्त

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि किसी भी नागरिक की सडकों पर घूम रहे पशुओं व आवारा या पालतु कुत्ते के काटने से होने वाली दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांग होने पर दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) का लाभ दिया जाता है। इसके लिए हरियाणा सरकार की ओर से प्रदेश में हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के माध्यम से दयालु-टू योजना लागू की गई है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पात्र व्यक्ति को समयबद्धता की पालना करते हुए अविलंब दयालु-टू योजना का लाभ प्रदान करना सुनिश्चित करें और पेंडिंग केस का जल्द से जल्द निपटारा करवाएं। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदेश में दयालु-टू योजना पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। दयालु-टू योजना पोर्टल सरकार की पारदर्शी और सरल सेवा वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस डिजिटल पहल से पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ और अधिक तेजी व सटीकता के साथ मिलेगा। योजना का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जाएगा। इसके लिए परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो व्यक्ति दयालु-टू योजना के तहत कवर नहीं होते उन्हें दयालु-वन में शिफ्ट किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मानवता के नाते स्वयं योग्य व्यक्ति या उनके परिजनों को बुलाकर योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाएं। उपायुक्त ने बताया कि दयालु योजना के तहत किसी नागरिक की सडकों पर घूम रहे पशुओं या कुत्ते के काटने से होने वाली दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता हो जाने पर उन परिवारों को एक लाख से पांच लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

कन्या भ्रूण हत्या की सूचना देने पर दिया जाता है एक लाख रु. का इनाम : उपायुक्त

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन की ओर से कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट-1994 के तहत पंजीकृत सेंटर संचालक व डॉक्टर द्वारा पहली बार गर्भधारण पूर्व लिंग चयन और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण संबंधी जुर्म करने पर 3 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुमार्ना तथा इसके उपरांत पुनः जुर्म करने पर 5 साल कैद और 50 हजार रुपए जुमार्ना का प्रावधान है। पति/परिवार के सदस्य या लिंग चयन के लिए उकसाने वाले व्यक्ति के लिए एक्ट में पहले अपराध पर 50 हजार रुपए तक के जुमार्ने के साथ 3 साल की कैद तथा इसके उपरांत पुनः अपराध करने पर एक लाख रुपये तक जुमार्ने के साथ 5 साल तक की कैद का प्रावधान किया गया है।

आरोप तय होने पर डॉक्टर का मेडिकल रजिस्ट्रेशन कर दिया जाएगा निलंबित : उपायुक्त ने बताया कि कन्या भ्रूण हत्या करने व करवाने वालों की सही सूचना देने पर सरकार द्वारा एक लाख रुपए का इनाम दिया जाता है। कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाता है। उन्होंने बताया कि आरोप तय होने पर डॉक्टर का मेडिकल रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अपराध के मामले में राज्य मेडिकल काउंसिल द्वारा डॉक्टर के मेडिकल पंजीकरण को 5 साल के लिए तथा इसके उपरांत अपराध के मामले में स्थायी रूप से मेडिकल पंजीकरण को रद्द कर दिया जाएगा।

आगजनी इत्यादि घटना होने पर मदद के लिए डायल करें 112 : उपायुक्त

कहा- पीड़ितों की मदद को आगे आएं औद्योगिक संगठन

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि आगजनी (पुलिस सहायता एवं एम्बुलेंस आदि) जैसी किसी भी आपात स्थिति में नागरिक तुरंत हेल्पलाइन नंबर-112 पर सूचना दें, ताकि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। वे सोमवार को धर्म नगर कॉलोनी स्थित झुग्गियों में हुई आगजनी की घटना में पीड़ितों की सहायतार्थ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से औद्योगिक इकाइयों का पीड़ितों की सहायता के लिए आह्वान किया।

बुधवार को देर सायंकाल कैंप कार्यालय में पलवल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सामूहिक सहयोग से ही पीड़ितों को राहत पहुंचाई जा सकती है। **सीएसआर के तहत सहयोग बढ़ाने पर जोर:** उपायुक्त ने उद्योग संगठनों से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत अपने योगदान को बढ़ाने और जिले में स्थापित उद्योगों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों की भागीदारी से समाज के कमजोर वर्गों को बेहतर सहायता मिल सकती है।

पीड़ित परिवारों के लिए राहत सामग्री उपलब्ध कराने की अपील: उपायुक्त ने उद्योग संगठन से आगजनी से प्रभावित परिवारों को आवश्यक घरेलू सामग्री उपलब्ध कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गैस चूल्हा, आटा टंकी, बर्तन, चाय सेट सहित रसोई और बाथरूम से जुड़ी जरूरी वस्तुएं उपलब्ध कराकर पीड़ितों को राहत दी जा सकती है। इस पर उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों ने आगे बढकर हर संभव सहायता करने की सहमति जताई। **गैस एजेंसियों को छोटे सिलेंडर उपलब्ध कराने की अपील:** बैठक में गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रभावित परिवारों को घरेलू उपयोग के छोटे गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएं, ताकि उनके दैनिक जीवन में आ रही कठिनाइयों को कम किया जा सके। उपायुक्त ने जिला अग्निशमन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण और बचाव के उपायों के बारे में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। इस अवसर पर उपायुक्त ने उद्योग संगठन की समस्याएं भी सुनी और उनके समाधान का आश्वासन दिया। **यह रहे मौजूद :**

बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला, अतिरिक्त उपायुक्त डा. सुभिता ढाका, नगराधीश प्रीति रावत, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा, लोक निर्माण विभाग पलवल के कार्यकारी अभियंता रितेश यादव, पब्लिक हेल्थ के एक्सईएन मोहित वशिष्ठ, पलवल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. एस.सी. कंसल, जर्नल सेक्रेटरी रविंद्र यादव, वाइस प्रेसिडेंट राजीव मेहरा, मानवेंद्र सहित अन्य अधिकारीगण व पलवल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक की फैक्ट्री में फायरिंग, आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। गांव जठलाना में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह की फैक्ट्री पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई है। पुलिस ने फायरिंग के मामले में आरोपी अमन उर्फ काकू गांव सिंनहरी खालसा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस रिकवरी के लिए लेकर जा रही थी। इस दौरान आरोपी ने भागने के चक्कर में खजूरी पुल से छलांग लगा दी और गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को सिविल अस्पताल यमुनानगर में भर्ती करवाया है। बीते 30 मार्च की रात करीब 11 बजे हमलावरों ने फैक्ट्री में वारदात को अंजाम दिया। उस समय फैक्टरी के गेट पर सिक्योरिटी रूम में कर्मचारी मौजूद थे। तभी दो युवक, जिन्होंने अपने चेहरे काले कपड़े से ढके हुए थे, अचानक वहां पहुंचे और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी की आवाज से मौके पर भगदड़ मच गई और फैक्टरी में काम कर रहे मजदूरों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने लगातार कई राउंड फायर किए और इसके बाद मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन जिस तरह से गोलियां फैक्टरी के अंदर तक पहुंचीं, उससे बड़ा हादसा हो सकता था।

सुरक्षित निवेश ही समझदारी, सतर्कता से ही ठगी से बचाव संभव : एसपी

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए पलवल पुलिस ने आमजन को सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के नाम पर हो रही ऑनलाइन ठगी को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की है।

एसपी ने बताया कि आजकल साइबर अपराधी लोगों को निवेश के नाम पर झांसा देकर ठगी कर रहे हैं। ठग फर्जी ऐप, वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से संपर्क कर कम समय में अधिक मुनाफे का लालच देते हैं। कई मामलों में नकली कंपनी या एजेंट बनकर पहले छोटे रिटर्न दिखाए जाते हैं, जिससे लोग भरोसा कर बड़ी रकम निवेश कर देते हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही निवेशक अधिक पैसा लगाता है, ठग उसका पैसा निकाल लेते हैं और ऐप या वेबसाइट बंद कर देते हैं या संपर्क खत्म कर देते हैं। कई बार निवेशकों को नकली डैशबोर्ड पर फर्जी लाभ दिखाकर लगातार निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता है। एसपी ने स्पष्ट किया कि किसी भी निवेश योजना में गारंटीड रिटर्न का दावा अक्सर धोखाधड़ी का संकेत होता है। निवेश हमेशा प्रमाणित और अधिकृत संस्थाओं के माध्यम से ही करना चाहिए।

दमकल कर्मचारियों के आंदोलन को कुचलना चाहती है सरकार : संघ

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं में अपनी जान की बाजी लगाने वाले अग्निशमन विभाग के कर्मचारी 8 और 9 अप्रैल को दो दिवसीय राज्यव्यापी हड़ताल पर चले गए हैं। यह हड़ताल 16 फरवरी 2026 को फरीदाबाद की कालकाजी स्टील फैक्ट्री में लगी भीषण आग के दौरान राहत एवं बचाव कार्य करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले फायर कर्मियों भवीचंद शर्मा और रणवीर सिंह को शहीद का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर की जा रही है।

पलवल स्थित फायर स्टेशन पर अग्निशमन कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सतीश कुमार की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में शहीदों के परिजनों को 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और एक आश्रित को सरकारी नौकरी देना शामिल है। सर्व कर्मचारी संघ, पलवल के जिला प्रधान जितेंद्र तेवतिया ने हड़ताल का समर्थन करते हुए सरकार पर अग्निशमन कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेले में झूला टूटने की घटना में शहीद हुए पुलिस कर्मी को सरकार द्वारा शहीद का दर्जा, 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिजन को सरकारी नौकरी दी गई, जिसका संघ समर्थन करता है। लेकिन उसी तर्ज पर फायर कर्मियों भवीचंद शर्मा और रणवीर सिंह को समान सम्मान नहीं दिया जा रहा, जो अन्यायपूर्ण है। कर्मचारी नेताओं ने प्रेस को दिए बयान में बताया कि उनकी अन्य मांगों में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों को पुलिस के समान प्रति माह 5000 रुपये जोखिम भत्ता, कैशलैस मेडिकल सुविधा, पक्का कर्मचारी दर्जा, वर्दी भत्ता, धुलाई भत्ता तथा पुरानी पेंशन योजना का लाभ शामिल है। संघ नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार हठधर्मिता अपनाते हुए बार-बार वार्ता के बावजूद अपने वादों से पीछे हट रही है और मानी गई मांगों को लागू नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि विभाग में कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए हरियाणा राज्य परिवहन के चालकों को अग्निशमन यंत्र चलाने के लिए बुलाया जा रहा है, जो स्थिति की गंभीरता को दशार्ता है। सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों से वार्ता कर हड़ताल समाप्त नहीं कराई, तो संघ से जुड़े सभी सरकारी विभागों के कर्मचारी दमकल कर्मचारियों के समर्थन में उतरेंगे।

दहेज मुक्त विवाह को बढ़ावा दें युवा और अभिभावक : उपायुक्त

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि भारत में दहेज प्रथा को समाप्त करने के उद्देश्य से लागू किया गया दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 महिलाओं की सुरक्षा के लिए ढाल का काम करता है। इस कानून के तहत दहेज लेना, देना या दहेज के लिए उकसाना एक दंडनीय अपराध है, जिसके लिए सख्त सजा और जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि यह अधिनियम महिलाओं को दहेज से जुड़ी हिंसा, उत्पीड़न और शोषण से बचाने के उद्देश्य से बनाया गया है। उपायुक्त ने बताया कि कानूनन विवाह से पहले, विवाह के दौरान या विवाह के बाद किसी भी रूप में दहेज की मांग या लेन-देन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसमें नकद राशि, संपत्ति, आभूषण या कोई अन्य कीमती वस्तु शामिल हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति दहेज मांगता है, देता है या इसके लिए प्रेरित करता है, तो उसे अधिकतम 5 वर्ष तक की कैद और 15 हजार रुपये या दहेज की कीमत (जो अधिक हो) तक का जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने युवाओं और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे दहेज मुक्त विवाह को बढ़ावा दें और एक समान, सम्मानजनक समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि दहेज से जुड़े मामलों में कानून काफी सख्त है। ऐसे अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती श्रेणी में रखा गया है, जिससे पुलिस बिना वारंट के कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे इस कानून के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की दहेज मांग या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए केवल कानून ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज की सोच में बदलाव भी आवश्यक है। शिक्षा, जागरूकता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही इस कुप्रथा को जड़ से खत्म किया जा सकता है। **दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की धाराओं के तहत सजा और जुर्माना: धारा 3:** दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की में दहेज लेने और देने पर कम से कम पांच साल की कैद और 15,000 रुपये या दहेज के मूल्य (जो भी अधिक हो) के जुमार्ने की सजा का प्रावधान है। **धारा 4 :** विवाह मे दहेज की मांग करने के कार्य को दंडित करती है। इसमें कम से कम छह महीने और अधिकतम पांच साल की सजा के साथ 15000 रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। **धारा 8 :** इसके अनुसार धारा 3 और धारा 4 के तहत अपराध गैर-जमानती और संज्ञेय होंगे। उप-धारा (ए) उक्त अपराध करने से इनकार करने वाले व्यक्ति पर सबूत का भार डालकर इसे और अधिक मजबूत करती है।

योजना का लाभ उठाएं विद्यार्थी : उपायुक्त

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि डा. भीमराव अंबेडकर मेधावी छात्रवृति योजना के अंतर्गत छात्रवृति के लिए उत्तीर्ण हुए 10वीं कक्षा के सभी वर्गों जैसे अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग तथा और अन्य सभी समुदाय के विद्यार्थी व 12वीं तथा स्नातक के अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से काफी मात्रा में ऐसे आवेदन हैं, जिनके दस्तावेज स्कीम की हिदायतानुसार पूर्ण नहीं करवाए गए हैं, जिसके कारण उनके आवेदन पत्र लंबित है। वे सभी छात्र जल्द से जल्द अपने दस्तावेज पूर्ण करवाकर स्कीम का लाभ ले सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि सभी छात्र जिनके दस्तावेज अभी तक पूर्ण नहीं करवाए गए हैं वे 12 अप्रैल 2026 तक अपने दस्तावेज पूर्ण करवाएं ताकि उनको छात्रवृति प्रदान की जा सके। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए पुराना कोर्ट परिसर स्थित जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

एसवीएसयू में बनेगी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू) के स्किल इनोवेटर्स फाउंडेशन को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत 28 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह ने मंगलवार को कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार को 28 लाख रुपये की राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर कुलगुरु ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि स्किल इनोवेटर्स फाउंडेशन निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और प्राप्त राशि का उपयोग शिक्षा तथा समाज उत्थान के कार्यों में किया जाएगा। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम की प्रेरणा से इस राशि को विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा।

सीईओ गौरव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सीएसआर फंड के माध्यम से गुरुग्राम जिला प्रशासन के सहयोग से एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित की जाएगी। यह यूनिट परियोजनाओं की योजना बनाने, उनकी स्वीकृति दिलाने और क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का कार्य करेगी। इससे विश्वविद्यालय को स्वावलंबन मिलेगा और सीएसआर परियोजनाओं के संचालन में दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन कॉर्पोरेट क्षेत्र की समाज कल्याण में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर विक्रम सिंह ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सीईओ को बधाई दी। गौरव सिंह ने बताया कि इससे पूर्व फाउंडेशन द्वारा 25 लाख रुपये की राशि से पौधारोपण अभियान भी चलाया जा चुका है। साथ ही विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

जेल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पलवल के तत्वावधान में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन प्राधिकरण राज गुप्ता तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पलवल हरीश गोयल के मार्गदर्शन में बुधवार को जिला जेल पलवल में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में डीएलएसए पलवल के पैनल अधिवक्ता संदीप गुप्ता द्वारा बंदियों को स्वास्थ्य संबंधी कानूनी अधिकारों एवं नशा मुक्त भारत योजना-2025 के अंतर्गत जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है और प्रत्येक व्यक्ति को उपचार के दौरान कई महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त हैं, जैसे–आपातकालीन उपचार का अधिकार, सूचित सहमति का अधिकार, सूचना का अधिकार, गोपनीयता का अधिकार तथा सस्ती चिकित्सा का अधिकार। साथ ही बंदियों को यह भी बताया गया कि इलाज से संबंधित शिकायतें कहां और कैसे दर्ज कराई जा सकती हैं।

नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत संदीप गुप्ता ने ड्रग एब्यूज वार्निंग नेटवर्क के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली है, जिसका उद्देश्य नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों और उनके बढ़ते खतरे पर नजर रखना है। उन्होंने बंदियों को नशे के दुष्प्रभावों–मानसिक तनाव, आर्थिक हानि, पारिवारिक कलह एवं स्वास्थ्य पर पडड्डे वाले गंभीर प्रभाव–के बारे में विस्तार से बताया और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि नशा केवल एक आदत नहीं बल्कि एक गंभीर बीमारी है और इसे समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि नशे के आदी व्यक्तियों को अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित के रूप में देखा जाए तथा उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक उपचार उपलब्ध हो।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी भी दी गई कि हरियाणा में नशा रोकथाम के लिए नमक लोटा अभियान, साइकिल रैलियां एवं टीम हकदार जैसी पहलें चलाई जा रही हैं। बंदियों से अपील की गई कि यदि उनके संज्ञान में कोई व्यक्ति नशे की लत से जूझ रहा हो, तो इसकी सूचना नागरिक अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र या हेल्पलाइन नंबर 1933 अथवा 112 पर दें।

इस अवसर पर उप जेल अधीक्षक दिनेश यादव, डॉ. प्रवीण, डॉ. विजय कालरा तथा डॉ. दीपक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, सप्लाई जारी : उपायुक्त

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिला में एलपीजी (रसोई गैस) की नियमित और निर्बाध आपूर्ति को लेकर नागरिकों को आश्वस्त किया है कि जिला में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता और इसकी सप्लाई व डिस्पैच निर्बाध और सुचारू रूप से जारी है।

उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर की बुकिंग या भंडारण न करें। उन्होंने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे धैर्य बनाए रखें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं ताकि सभी को आवश्यक सेवाएं सुचारू रूप से मिलती रहें। उपायुक्त ने बताया कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए जिला में सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक कंट्रोल रूम संचालित किए जा रहे हैं। आमजन जिला कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 01275-297850 व 01275-248911 पर एलपीजी आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या या जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, राज्य स्तर पर एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-180-2087 भी जारी किया गया है, जहां नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं या जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सप्लाई चेन में किसी भी प्रकार की बाधा को तुरंत दूर करें और उपभोक्ताओं तक समय पर गैस सिलेंडर पहुंचाना सुनिश्चित करें।

नागरिक केवल आधिकारिक स्त्रोतों से ही जानकारी करें प्राप्त : उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि जिला में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह से संतुलित है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ अफवाहों के कारण कारण लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे अनावश्यक भीड़ और दबाव उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे केवल आधिकारिक स्त्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और उन पर ही विश्वास करें। उन्होंने बताया कि एलपीजी वितरण प्रणाली को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

होड़ल में सत्यजय टाईम्स हिन्दी दैनिक
समाचार पत्र प्राप्त करने एवं समाचार, विज्ञापन बेदखली, जमीन-जायजाद संबंधित, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, नगर परिषद संबधी सभी प्रकार के सस्ते रेट पर विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र -
अमित अग्रवाल
+919254588483, +9197282 84058

सार्वजनिक सूचना

विषय: दरखास्त बराये वारिसों की तस्दीक करने बारे।

निवेदन यह है कि प्रार्थीया कमलेश पत्नी स्व0 श्री राजू निवासी वार्ड नं 16 नजदीक ओमशांति होडल जिला पलवल की रहने वाली हूं। श्रीमान जी मेरे पति स्व0 श्री राजू पुत्र वासूदेव की मृत्यु 20,8,2023 को हो चुकी है, जिनके हम तीन वारिश है, जिनमें मैं 1 कमलेश पत्नी स्व0 श्री राजू और दो पुत्रियां 2 बॉबी 3 खुशी है, इनके अलावा कोई अन्य वारिस नहीं है, और मेरे पति राजू पुत्र वासूदेव के नाम से पूरे भारतवर्ष में कहीं भी जायदाद है वो हम सभी के नाम की जाए। तथा अनुरोध है कि मेरे पति के वारिसान का प्रमाणपत्र बनाया जाए।

प्रार्थीया — कमलेश

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

मारपीट और धमकी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

पलवल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। सदर थाना पुलिस ने फुलवाड़ी गांव में आपसी रंजिश के चलते हुई हिंसक झड़प, मारपीट और धमकी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई नीतीश अग्रवाल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक पलवल के कुशल निर्देशन में की गई। थाना सदर पलवल के प्रभारी निरीक्षक सुंदरपाल ने बताया कि कुछ युवकों ने मिलकर एक युवक और उसके दो साथियों पर जानलेवा हमला किया, जिसमें तीनों घायल हो गए। शिकायतकर्ता गौरव ने बताया कि कुछ दिन पहले उसके बेटे वंश और गांव के ही निशांत के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद निशांत ने वंश को धमकी भी दी थी। चार अप्रैल को वंश अपने दोस्तों मोहित और प्रिंस के साथ बाइक से घर लौट रहा था, तभी आरोपियों ने हथियारों से लैस होकर उन पर हमला किया। मामले में फुलवाड़ी गांव निवासी गौरव की शिकायत पर 10 नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि टीम ने मामले में शामिल चार आरोपियों–योगेश, हिमांशु, दीपांशु और निशांत–को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारीयों ने साफ किया कि इस वारदात में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

10 से 15 राउंड फायरिंग कर फाइनेंसर की हत्या

झज्जर, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। बेरी के गांव डीघल में बुधवार को एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई,जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान करीब 26 वर्षीय साहिल उर्फ सोनू के रूप में हुई है,जो फाइनेंस का काम करता था। जानकारी के अनुसार,हमलावर काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर आए थे और उन्होंने युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी गई। गंभीर रूप से घायल साहिल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया,लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के आला अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपियों की एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है,जिसके आधार पर उनकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रोहतक पीजीआई भेजा गया है। वहीं,परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मामले को लेकर एसीपी अनिल कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि डीघल गांव में काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार युवकों ने एक युवक पर फायरिंग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डिजिटल प्रक्रिया से होगी जनगणना, नागरिकों को स्वयं भरने का मिलेगा अवसर

डॉ. ललित जैन ने आगामी जनगणना को लेकर की समीक्षा बैठक

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। हरियाणा में आगामी जनगणना के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को हरियाणा के जनगणना संचालन निदेशक (डीसीओ) एवं नागरिक पंजीकरण निदेशक (डीसीआर) डॉ. ललित जैन द्वारा राज्य स्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारियों ने भाग लिया। फरीदाबाद जिला से जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शिखा बैठक में शामिल हुईं। हरियाणा के जनगणना संचालन निदेशक (डीसीओ) एवं नागरिक पंजीकरण निदेशक (डीसीआर) डॉ. ललित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना का कार्य भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशन में दो चरणों में संपन्न किया जाएगा। प्रथम चरण के अंतर्गत हाउस लिस्टिंग/हाउस काउंट का कार्य 1 मई से 31 मई तक पूरे हरियाणा में संचालित होगा, जिसके लिए संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्य में लगभग 65,000 स्कूल शिक्षक बतौर प्रगणक (एन्यूमरेटर) भाग ले रहे हैं। द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना (पॉपुलेशन काउंट) का कार्य 9 फरवरी 2027 से 1 मार्च 2027 तक देशभर में एक साथ किया जाएगा।

हरियाणा के जनगणना संचालन निदेशक एवं नागरिक पंजीकरण निदेशक डॉ. ललित जैन की वीसी में हिस्सा लेते जिले के अधिकारी। छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

डॉ. जैन ने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया में दो महत्वपूर्ण नवाचार किए गए हैं। पहला, जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिससे सभी अभिलेख सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप में संग्रहित रहेंगे। दूसरा, नागरिकों को स्वयं जनगणना की सुविधा प्रदान की गई है, जिससे वे अपना समय बचाते हुए अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन भर सकते हैं। इसके लिए नागरिक 2सी.यूएलएल 242.ए पोर्टल पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं, जहां प्रत्येक परिवार के लिए एक मोबाइल नंबर के माध्यम से एक यूनिक आईडी बनाई जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि यदि किसी परिवार ने स्वयं जनगणना कर ली है और बाद में प्रगणक उनके घर पहुंचता है, तो वे केवल अपनी 11 अंकों की एसई आईडी साझा कर सकते हैं, जिससे दोबारा जानकारी भरने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि पहले से भरी गई जानकारी में किसी प्रकार का संशोधन आवश्यक हो, तो प्रगणक के माध्यम से उसे अपडेट भी किया जा सकेगा। राज्य में नागरिकों को स्वयं जनगणना के लिए 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक का अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में स्वयं जनगणना का लाभ उठाएं।

फिरौती मांगने वालों का सरेबाजार निकाला जुलूस

जुलाना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। कस्बे के जींद-रोहतक मार्ग पर स्थित ओम भट्ठे के संचालक से 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले आरोपियों को पुलिस ने काबू कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को काबू कर बाजार में घुमाया। घटना के बाद से बाजार में भय का माहौल बना हुआ था। पुलिस की कार्यवाही पर पुलिस प्रशासन जिंदाबाद के नारे लगे। जानकारी के अनुसार गत 24 मार्च को भठ्ठा संचालक ने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

जानकारी के अनुसार भठ्ठा संचालक अनूप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 मार्च को दोपहर बाद करीब 4 बजे उसके मोबाइल फोन पर एक व्हाट्सएप कॉल आई। जब उसने कॉल उठाई तो दूसरी ओर से बोल रहे व्यक्ति ने उसे 2 करोड़ रुपये तैयार रखने की धमकी दी। उसी दिन रात करीब 9 बजे दोबारा उसी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। इस बार भी आरोपी ने फिरौती की मांग दोहराई और जल्द से जल्द पैसे की व्यवस्था करने को कहा।

पीजीआई रोहतक में चूहों का आतंक, मरीजों के कुतरकर पी रहे इंजेक्शन

रोहतक, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पीजीआई के वॉर्डों में चूहे मरीज व तीमारदारों के खाने-पीने के सामान के बाद अब दवाइयों तक पहुंच चुके हैं। मेडिसिन वॉर्ड के आईसीयू में एक चूहा मरीज को लगने वाला इंजेक्शन ही कुतरकर पी गया।

आईसीयू में गंभीर मरीजों को एडमिट किया जाता है। यहां ज्यादा मरीजों के लिए ज्यादा साफ-सफाई व देखभाल की आवश्यकता होती है क्योंकि संक्रमण जल्दी फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में चूहे आसानी से यहां संक्रमण फैला रहे हैं। तीमारदार के सूचना देने के बाद वॉर्ड में तैनात सफाईकर्मी आईसीयू में पहुंचे। इंजेक्शन की दवा पीने के बाद चूहे बेहोशी की हालत में पहुंच गया। सफाईकर्मियों ने चूहे को कचरा उठाने वाले पात्र से उठाया व बाहर वार्ड के बाहर छोड़ दिया। इतना ही नहीं, मरीजों के बैग में रखे कपड़े को कुतर डालते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण मरीज व तीमारदार पहले ही परेशान होते हैं। ऐसे में कॉकरोच व चूहे उनकी परेशानी बढ़ा देते हैं। कॉकरोच मरीजों के बेड के पास वाली दराज में घूमते रहते हैं। पहले भी तीमारदारों की परेशानी को देखते हुए अमर उजाला ने इसको लेकर प्रमुखता से खबरें प्रकाशित की हैं। हर बार प्रशासन की ओर से समाधान का आश्वासन देकर बात टाल दी जाती है। सिविल अस्पताल के डॉक्टर पवन गोयल ने बताया कि चूहों से प्लेग होने का खतरा रहता है। इनके काटने से फिवर तक हो जाता है। यह इंफेक्शन फैलने का कारण भी बनता है।

हरियाणा में बारिश से गिरा तापमान, किसानों को हुआ नुकसान

मंडियों में भीगी गेहूं की फसल

हिसार, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा में मौसम ने एक बार फिर करवट ली। बीते 24 घंटों में प्रदेश के 20 जिलों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हुई। इससे अधिकतम तापमान में 12 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। पूरे प्रदेश में दिन का तापमान 24 से 29 डिग्री के बीच रहा। बारिश के कारण गर्मी से तो राहत मिली लेकिन किसानों की मुश्किल बढ़ गई है।

मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद मंडियों में फसल प्रबंधन के उचित प्रबंध नहीं किए गए। कहीं तिरपाल कम पड़ गईं तो कहीं प्रबंध ही नहीं किया गया। नतीजा हजारों क्विंटल गेहूं व बोरियां भीग गईं। अकेले पानीपत में 20 हजार क्विंटल गेहूं भीग गई। इससे प्रदेश की अधिकतर मंडियों में सरकारी और निजी खरीद भी ठप रही। पूरा दिन किसान अपने स्तर पर मंडियों में लाई गई फसल को बचाते नजर आए। नूंह व सोनीपत में किसानों को तिरपाल ही नहीं मिला। वहीं, झज्जर में हजारों क्विंटल गेहूं भीगने के बाद बुलडोजर की मदद से उसे शेड के नीचे करने का प्रयास किया गया। रेवाड़ी में तो खराब मौसम के कारण मंडी ही बंद कर दी गई। हिसार व भिवानी में जिला मुख्यालय की मंडी में फसल को तिरपाल से ढका पर तेज हवा के कारण फसल भीग गई। करनाल में भी शेड के बाहर पड़े गेहूं को किसान तिरपाल से ढकते नजर आए। अंबाला में केवल साहा अनाज मंडी में थोड़ा गेहूं भीगा है। हालांकि कैथल, यमुनानगर व फतेहाबाद में बचाव रहा।

मंडियों में उचित प्रबंध नहीं होने के कारण किसानों के चेहरे पर चिंता और बेबसी साफ झलकी। पलवल की मंडी में पहुंचे किसान रघुवीर ने बताया कि सरकार ने 12 प्रतिशत नमी का मानक तय किया है लेकिन लगातार खराब मौसम के कारण फसल ठीक से सूख ही नहीं पा रही। पहले ओलावृष्टि ने फसल को नुकसान पहुंचाया। अब बारिश से हालत और खराब हो गई है। फसल मानकों पर खरी नहीं उतर रही तो खरीद कैसे होगी। इस बीच खेतों में गेहूं कटान व थ्रेसिंग का कार्य रुक गया है। फसल भीगने के कारण नमी की मात्रा बढ़ने की पूरी संभावना है। अंबाला, पंचकूला, हिसार, महेंद्रगढ़, रोहतक, कुरुक्षेत्र भिवानी, जींद, रेवाड़ी, गुरुग्राम, करनाल, पलवल, नूंह, पानीपत, झज्जर, सोनीपत, चरखी-दादरी, कैथल, यमुनानगर, फतेहाबाद में बारिश हुई है। हालांकि सभी जिलों में दिनभर बादल छाए रहे। फरीदाबाद, हांसी व सिरसा में बारिश नहीं हुई। तापमान में एक दिन में इतनी गिरावट से लोगों को सर्दी महसूस हुई।

रोहतक बस स्टैंड पर रोडवेज कर्मियों ने किया हंगामा

- पुलिस कर्मचारियों द्वारा मारपीट का मामला, किया चक्का जाम।

रोहतक, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। रोडवेज चालक यशपाल व परिचालक सुरेंद्र से रोहतक बस स्टैंड पर हुई मारपीट मामले में बुधवार को रोडवेज कर्मियों ने चक्का जाम कर दिया। रोडवेज कर्मियों को पुलिस की ओर से अदालत में पेश करने का भी विरोध किया गया।

रोहतक बस स्टैंड पर बुधवार को कर्मचारियों ने बस स्टैंड के दोनों गेट बंद कर रोडवेज का चक्का जाम कर दिया। इस कारण 50 से अधिक बसों के पहिए थम गए। इस कारण बस स्टैंड के बाहर यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई। वहीं, यात्रियों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ी।

प्रदर्शनकारी रोडवेज कर्मचारियों का आरोप है कि पुलिस कर्मचारी की गाड़ी की मंगलवार को रोडवेज बस के साथ टक्कर हुई थी। इसी बात पर विवाद उभरा। इस मामले में पुलिस कर्मचारियों ने रोडवेज चालक-परिचालक से मारपीट की व बाद में एफआईआर भी दर्ज कर दी गई। बुधवार सुबह पुलिस ने रोडवेज के चालक और परिचालक को कोर्ट में भी पेश कर दिया। ये दोनों कर्मचारी हरियाणा रोडवेज के दिल्ली डिपो में तैनात हैं। इस बारे में न तो रोडवेज अधिकारियों और न ही यूनियन से कोई बातचीत की गई। इसके चलते कर्मचारियों में पुलिस के प्रति भारी रोष है। रोडवेज कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक पुलिस की ओर से निष्पक्ष कर्रवाई नहीं की जाएगी तब तक बसों का संचालन नहीं होगा।

रोहतक बस स्टैंड पर बुधवार को कर्मचारियों ने बस स्टैंड के दोनों गेट बंद कर रोडवेज का चक्का जाम कर दिया। इस कारण 50 से अधिक बसों के पहिए थम गए।

जूता फैक्ट्री में लगी आग

बहादुरगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। बहादुरगढ़ में एचएसआईआईडीसी सेक्टर-16 में स्थित एक जूता फैक्ट्री में बुधवार की शाम को भीषण आग लग गई। आग लगते ही कर्मचारियों में अफरा तफरी मच गई। तुरंत बाहर निकलकर उन्होंने अपनी जान बचाई। सूचना पाकर दमकल विभाग की टीम ने मोर्चा संभाला। देर शाम तक पांच गाड़ियों के सहारे कर्मचारी आग बुझाने में जुटे थे। आग से फैक्ट्री मालिक को काफी नुकसान हुआ है। आग लगने की यह घटना प्लाट नंबर-168 में चल रही सुपर किक्स फैक्ट्री में हुई है। दिल्ली के निवासी विभोर की यह फैक्ट्री है। इसमें जूते-चप्पल तैयार किए जाते हैं। बताया जा रहा है कि पहले फैक्ट्री के पीछे स्थित एक वेल्डिंग यूनिट में काम के दौरान शेड में आग लगी। आग तेजी से फैलकर सुपर किक्स फुटवियर फैक्ट्री तक पहुंच गई। देखते ही देखते प्रथम तल पर मौजूद मशीनों और माल को चपेट में ले लिया। फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों ने तुरंत बाहर भागकर अपनी जान बचाई।

प्री-एग्जाम उत्तीर्ण होने पर यूपीएससी ,एचपीएससी और ज्युडिशरी की तैयारी करने वाले युवाओं को मिलेगी वित्तीय सहायता : सीएम

चंडीगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि राज्य के यूपीएससी ,एचपीएससी और ज्युडिशरी के प्री -एग्जाम उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को आगे की कोचिंग फीस की प्रतिपूर्ति करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि "मुख्यमंत्री युवा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना" के तहत आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को 25 हजार से लेकर 70 हजार रुपए तक वित्तीय मदद की जाएगी।

मुख्यमंत्री आज यहां संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हरियाणा के नव-चयनित युवाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा , मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त डॉ अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती एवं राकेश संधू, सूचना,जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) श्रीमती वर्षा खांगवाल, शहीद स्मारक अंबाला के निदेशक डॉ कुलदीप सैनी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने संकल्प-पत्र में "मुख्यमंत्री युवा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना" शुरू करने का संकल्प किया था , उसी को धरातल पर उतारते हुए अब इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को यूपीएससी ,एचपीएससी और ज्यूडिशरी के प्री - एग्जाम उत्तीर्ण करने पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रुपये है , उनके बच्चों को 70 हजार रुपये , 1.80 लाख रुपये तक आय वाले परिवारों के बच्चों को 60 हजार , 1.80 लाख रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक आय वाले परिवार के बच्चों को 50 हजार तथा 3 लाख रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक आय वाले परिवार के बच्चों को 25 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

शेष पेज एक...

हरियाणा में अकुशल श्रमिकों ....

वर्तमान सरकार के दौरान उद्योग और रोजगार को नुकसान पहुंचा। महिलाओं पर अत्याचार, किसानों को टरढ का लाभ न मिलना, आम जनता में असुरक्षा का माहौल और कानून-व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति के कारण वहां लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन तेजी से मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में बंगाल में भाजपा सरकार बनना तय है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश सेवा का प्रतीक है। जब भी देश पर कोई विपत्ति आई है, संघ के कार्यकर्ता सबसे पहले सेवा के लिए खड़े दिखाई दिए हैं। संघ ने कभी प्रचार की राजनीति नहीं की, बल्कि हमेशा शांत और समर्पित भाव से समाज सेवा का कार्य किया है। लेकिन इस बारे विपक्ष द्वारा बयानबाजी करना दुर्भाग्यपूर्ण है ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से देशभर में लाखों लोगों को उपचार का लाभ मिला है, लेकिन पश्चिम बंगाल और पंजाब सरकारों द्वारा इस योजना को लागू न किए जाने के कारण वहां के अनेक जरूरतमंद लोग इसके लाभ से वंचित रह गए।

मतदाता सूची शुद्धिकरण पर उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग की नियमित और आवश्यक प्रक्रिया है। मतदाता सूची की शुचिता लोकतंत्र के लिए जरूरी है और समय-समय पर इसका शुद्धिकरण होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस हर वर्ग के लोगों को काम और अवसर उपलब्ध कराने पर है।

जनता को विकास, रोजगार और सुरक्षा चाहिए, केवल आरोपों से समस्याओं का समाधान नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुरक्षा और जनकल्याण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और हरियाणा सरकार भी उसी सोच के साथ प्रदेश हित में कार्य कर रही है।

इस अवसर पर सूचना,जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल एवं मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित रहे ।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी, संसद सत्र पेश किया जाएगा बिल

नई दिल्ली, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून में बदलाव के मसौदे को मंजूरी दे दी है। इसके तहत लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 816 करने और 33 प्रतिशत यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की तैयारी है। सरकार का लक्ष्य है कि यह व्यवस्था 2029 के आम चुनाव से लागू हो जाए।

सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह संशोधन नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़ा है। संसद का विस्तारित सत्र 16 से 18 अप्रैल तक बुलाया गया है, जिसमें इस बिल को पारित कराने की योजना है।

नए प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी। इनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसके साथ ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षण का प्रावधान रखा जाएगा। यह पूरा ढांचा महिलाओं को ज्यादा प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

2023 में महिला आरक्षण कानून पास हुआ था, लेकिन उसे लागू करने के लिए 2027 की जनगणना और उसके बाद परिसीमन जरूरी था। इस वजह से यह कानून 2034 तक टल सकता था। अब सरकार ने इसमें बदलाव कर 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने का फैसला लिया है, जिससे लागू करने की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। यह व्यवस्था सिर्फ लोकसभा तक सीमित नहीं रहेगी। राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी तरह सीटों का आरक्षण किया जाएगा। हर राज्य में उसकी आबादी के हिसाब से महिलाओं को सीटें दी जाएंगी। इससे राज्यों में भी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी।

सरकार की योजना है कि यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू हो जाए। इसके बाद होने वाले लोकसभा चुनाव और कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आरक्षित सीटों का फायदा मिलेगा। इसमें ओडिशा, आंध्र प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कहा था कि यह मुद्दा महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ा है और सभी दलों को इसे बिना राजनीति के समर्थन देना चाहिए। उन्होंने सभी पार्टियों से अपील की कि वे देश की माताओं और बहनों का भरोसा जीतने के लिए इस कानून का साथ दें।

बिजली चोरी पकड़ने वाले जेई का तबादला

अंबाल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। अंबाला में बिजली विभाग के कर्मचारियों और सरकार के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। अपने एक साथी जूनियर इंजीनियर के अचानक हुए तबादले से नाराज बिजली कर्मियों ने विभाग के बाहर जमकर नारेबाजी की और दो दिवसीय सांकेतिक धरने पर बैठ गए हैं। मामले की शुरूआत करीब 15 दिन पहले हुई, जब अंबाला में कार्यरत खए पवन दहिया विभाग के उच्चाधिकारियों के आदेश पर एक उपभोक्ता के यहाँ बिजली चोरी पकड़ने गए थे। कर्मचारियों का आरोप है कि मौके पर मौजूद एक स्थानीय पार्षद (टउ) और कुछ रसूखदार लोगों ने खए पर दबाव बनाया कि वह चोरी की कार्रवाई न करें और उपभोक्ता को छोड़ दें। यूनियन के नेताओं के अनुसार, खए पवन दहिया ने राजनीतिक दबाव के आगे झुकने से मना कर दिया। उनके पास बिजली चोरी के पुख्ता वीडियो सबूत थे, जिसके आधार पर उन्होंने मामला दर्ज (अंकित) कर दिया। लेकिन ईमानदारी से ड्यूटी करने का खामियाजा उन्हें अगले ही दिन भुगतना पड़ा, जब उनका तबादला तुरंत प्रभाव से अंबाला से शहजादपुर कर दिया गया। हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने इसे "राजनैतिक उत्पीड़न" करार दिया है।

रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर मिली डेढ़ साल की मासूम

माथे-नाक पर मिले घाव, परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस

रेवाड़ी, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। रेवाड़ी शहर के रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आज सुबह मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया, जब वहां करीब डेढ़ साल की मासूम बच्ची लावारिस हालत में मिली।

बच्ची कंबल में लिपटी हुई स्टेशन की एक बेंच पर पड़ी थी। उसे सबसे पहले सफाई कर्मचारी ने सफाई के दौरान देखा और तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। बच्ची की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। उसके माथे और नाक पर घाव के निशान मिले हैं, जबकि एक आंख बुरी तरह सूजी हुई थी। लंबे समय से देखभाल न होने के कारण उसके होंठों और नाखूनों पर पपड़ी जमी हुई थी, जिससे साफ अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह काफी समय से उपेक्षा का शिकार रही है।

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की इंचार्ज श्रुति शर्मा ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बच्ची के मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर जब बच्ची की स्थिति देखी गई तो वह कुपोषण की शिकार प्रतीत हुई। उन्होंने कहा कि बच्ची की हालत चिंताजनक है और उसे तत्काल चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत थी। रेलवे पुलिस ने बिना देर किए चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को सूचना दी, जिसके बाद समिति की टीम ने बच्ची को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

उधर बच्ची को स्टेशन पर छोड़ने वालों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। आस-पास के क्षेत्रों में भी पूछताछ और छानबीन की जा रही है, ताकि बच्ची के परिजनों का जल्द पता लगाया जा सके। समिति की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यदि बच्ची के परिजन नहीं मिलते हैं, तो उसे नियमानुसार बाल संरक्षण गृह में रखा जाएगा। यह घटना न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि समाज की संवेदनहीनता की भी दर्दनाक तस्वीर पेश करती है। इतनी छोटी मासूम को इस हालत में रेलवे स्टेशन पर छोड़ जाना हर किसी को झकझोर देने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड डायमंड डे में लोग उत्साह के साथ हुए शामिल

नई दिल्ली, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आभूषण हमेशा से लोगों के दिलों में खास जगह रखते हैं, और प्राकृतिक हीरे इसकी सबसे खास पहचान हैं। पहली बार आयोजित वर्ल्ड डायमंड डे के मौके पर ये कहानियां केंद्र में रहीं, जब देशभर के लोग हर हीरे के पीछे छिपे अर्थ और भावनाओं को समझने के लिए एक साथ आए। नेचुरल डायमंड काउंसिल (एनडीसी) द्वारा शुरू किया गया वर्ल्ड डायमंड डे, 8 अप्रैल 2026 को एक वैश्विक पहल के रूप में पेश किया गया। इसका उद्देश्य प्राकृतिक हीरों से जुड़ी खुशी, जुनून और आपसी जुड़ाव का उत्सव मनाना है। नेचुरल डायमंड इंडस्ट्री के एक प्रमुख समर्थक के रूप में, एनडीसी ने इस सामूहिक पहल का नेतृत्व किया। इस दौरान कारीगरों और निमार्ताओं से लेकर रिटेलर्स और उपभोक्ताओं तक, सभी को अपनी सच्ची कहानियां साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। रिचा सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर, नेचुरल डायमंड काउंसिल, ने कहा, वर्ल्ड डायमंड डे ऐसा मंच है, जहां लोग यह साझा कर सकते हैं कि उनके लिए हीरे का क्या महत्व है। आज के समय में, खासकर युवा वर्ग, जश्न मनाने के ज्यादा मायनेपूर्ण तरीके तलाश रहा है। यह पहल ऐसे पलों को याद करने और उन्हें महत्व देने का मौका देती है। प्राकृतिक हीरे हमारी यादों को सहेजने का सबसे खूबसूरत माध्यम हैं। यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि हम जो करते हैं, उसका मकसद लोगों के जीवन में खुशी, भावनाएं और अर्थ जोडड्ा है। वर्ल्ड डायमंड डे को देशभर में पहुंच दिलाने में जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी इंडिया), (जीआईए) ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) और भारत डायमंड बोर्स ने सक्रिय भूमिका निभाई।

श्रद्धांजलि सभा 10 अप्रैल को

सोहना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। क्षेत्र की जानी-मानी धर्मपरायण एवं समाजसेवी महिला श्रीमती राजरानी सिंगल (धर्मपत्नी स्वर्गीय लाला रमेश चंद सिंगल) का दिनांक 30 मार्च 2026 को निधन हो गया। वे लगभग 67 वर्ष की थीं। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है तथा परिवार और समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है। स्वर्गीय राजरानी सिंगल अपने जीवनकाल में सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय रहीं। उन्होंने सदैव समाज सेवा और भक्ति मार्ग को अपनाते हुए अपनी एक विशेष पहचान बनाई। उनके सादगीपूर्ण जीवन, मिलनसार स्वभाव और सेवा भाव को हमेशा याद किया जाएगा।

उनकी पावन स्मृति में परिजनों द्वारा 10 अप्रैल 2026 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रातः 9:00 बजे उनके निवास स्थान पर हवन किया जाएगा, जिसके उपरांत दोपहर 12:00 बजे ब्रह्म भोज का आयोजन होगा। इसी क्रम में दोपहर 3:00 बजे पलवल रोड बाईपास स्थित श्री अग्रसेन भवन प्रांगण में प्रार्थना सभा एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। परिवार के सदस्य–नरेश सिंगल, संजय सिंगल, विकास सिंगल एवं विपिन सिंगल सहित अन्य परिजन एवं शुभचिंतक–सभी परिचितों, रिश्तेदारों एवं क्षेत्रवासियों से विनम्र निवेदन करते हैं कि वे निर्धारित समय पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

परिजनों का कहना है कि किसी अपने के जाने से उसकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, लेकिन समाज के लोगों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि और संवेदनाएं परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करती हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बिन मौसम बरसात से लोगों को गर्मी से मिली राहत : अशोक गर्ग

सोहना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। अप्रैल माह में जहां आमतौर पर तेज गर्मी लोगों को परेशान करती है, वहीं इस बार मौसम ने अप्रत्याशित रूप से करवट ली है। क्षेत्र में हो रही बिन मौसम बरसात ने लोगों को गर्मी से काफी राहत दिलाई है। व्यापार मंडल रजिस्टर्ड के प्रधान अशोक गर्ग ने इसे भगवान इंद्र की कृपा बताया है।

अशोक गर्ग ने कहा कि अप्रैल के महीने में इस प्रकार की बारिश विरले ही देखने को मिलती है। आमतौर पर इस समय तेज धूप और गर्मी के कारण लोगों का जीवन प्रभावित होता है, लेकिन इस बार समय-समय पर हो रही वर्षा ने मौसम को सुहावना बना दिया है। इससे आम नागरिकों को न केवल गर्मी से राहत मिली है, बल्कि उमस और पसीने से भी छुटकारा मिला है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार गोवा जैसे राज्यों में मौसम का कोई निश्चित स्वरूप नहीं होता और कभी भी बारिश शुरू हो जाती है, ठीक उसी प्रकार इस बार सोहना क्षेत्र में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। प्रधान अशोक गर्ग ने आगे कहा कि इस बारिश का एक सकारात्मक प्रभाव यह भी है कि बिजली की खपत में कमी आई है। आम दिनों में अप्रैल माह में बिजली की भारी मांग रहती है, लेकिन इस बार तापमान कम होने के कारण बिजली विभाग पर भी दबाव कम हुआ है और लोगों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के इस बदलाव को लोग ईश्वर की कृपा मान रहे हैं। जब भी मौसम में इस प्रकार का परिवर्तन होता है, तो यह आम जनजीवन को प्रभावित करता है। फिलहाल, क्षेत्रवासी इस सुहावने मौसम का आनंद ले रहे हैं और अचानक हुई इस बरसात को राहत के रूप में देख रहे हैं।

पर्यावरण उल्लंघन पर 108 आरएमसी प्लांट पर जुर्माना

चंडीगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के कड़े निर्देशों के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने रेडी मिक्स कंक्रीट प्लांट पर कार्रवाई शुरू कर दी है। बोर्ड ने पूरे राज्य में 370 से आरएमसी प्लांट को चिन्हित किया है। इनमें से 184 प्लांट बोर्ड की अनुमति से चल रहे हैं जबकि 186 बिना अनुमति के चल रहे हैं। पर्यावरण के मानकों का उल्लंघन करने वाले 108 प्लांट पर आठ लाख रुपये से लेकर एक करोड़ 13 लाख तक जुमार्ना लगाया गया है, जबकि 73 पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। हालांकि जिन प्लांट पर जुमार्ना लगाया गया है। उनमें से अधिकतर प्लांट मालिकों ने अभी तक जुमार्ना जमा नहीं किया है। एनजीटी ने यह आदेश एक शिकायत के आधार पर दिया था। एनजीटी को दी गई शिकायत में बताया गया था कि हरियाणा में प्लांट पर्यावरण के मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं। अधिकतर प्लांटों ने बोर्ड से अनुमति भी नहीं ली। धूल नियंत्रण का कोई उपाय नहीं किया गया है। इससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है, जो इलाके में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन रहा है। इसके साथ ही भूमिगत जल का दोहन किया जा रहा है। इसके लिए किसी अथॉरिटी से स्वीकृति नहीं ली गई है। बोर्ड की ओर से पेश की गई प्रारंभिक रिपोर्ट में इसे गंभीर समस्या माना गया।

चुंगी नंबर-1 का कट खुलवाने को लेकर लोगों ने किया धरना-प्रदर्शन

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सोहना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। चुंगी नंबर-1 के बंद पड़े कट को दोबारा खुलवाने की मांग को लेकर शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बाजार से होते हुए रैली निकाली और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे व्यापार मंडल के प्रधान अशोक गर्ग ने बताया कि नेशनल हाईवे द्वारा बनाए गए एलीवेटेड रोड के निर्माण के दौरान चुंगी नंबर-1 का कट बंद कर दिया गया था। यह मार्ग वर्षों से आम लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता रहा है, जिसके बंद होने से हजारों लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पहले भी कई बार प्रयास किए जा चुके हैं। यहां तक कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को भी लिखित रूप में अवगत कराया गया, वहीं पूर्व मंत्री संजय सिंह द्वारा भी कट खुलवाने के प्रयास किए गए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका है।

धरना-प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बताया कि चुंगी नंबर-1 का यह मार्ग वार्ड नंबर-21, दिल्ली-अलवर रोड, सैनी कॉलोनी, बंद कॉलोनी, सांप की नागली, फाउंटेन चौक, सोहना ढाणी रोड तथा दमदमा रोड सहित कई क्षेत्रों को जोड़ता है। कट बंद होने के कारण लोगों को लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बबार्दी हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि एलीवेटेड रोड पर लगी 3-4 फीट ऊंची ग्रिल को पार कर लोगों को आवागमन करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। साथ ही आवारा पशुओं के कारण भी हादसों की आशंका बढ़ गई है। धरने के दौरान पहलवान सतवीर खटाना, भाजपा नेता सुभाष बंसल, पूर्व पार्षद लेखराज, बलबीर सिंह रावत, विजय खटाना, ओम प्रकाश सैनी, रूप सैनी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। ज्ञापन में लोगों ने मांग की है कि एलडी सोसाइटी (चंद्र डेयरी) से लेकर मेवात जिले के रोजका मेव तक सड़क निर्माण को सुचारू किया जाए और चुंगी नंबर-1 के कट को जल्द से जल्द खोला जाए। उन्होंने बताया कि करीब 3.5 किलोमीटर लंबे एलीवेटेड रोड पर 300 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं, ऐसे में आम जनता की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपील की है कि वे इस समस्या का शीघ्र समाधान कर लोगों को राहत प्रदान करें।

पंचकूला नगर निगम में एससी आरक्षण घटाने का फैसला रद

जनगणना से ही तय होगा रिजर्वेशन : हाईकोर्ट

पंचकूला, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। नगर निगम पंचकूला में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 4 से घटाकर 3 करने के राज्य सरकार के फैसले को अदालत ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह निर्णय संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि राज्य सरकार ने सीटों के निर्धारण के लिए जहां कुल सीटों की संख्या तय करने में फैमिली इंफॉर्मेशन डेटा रिपॉजिटरी का सहारा लिया, वहीं एससी आबादी के आधार पर आरक्षण तय करने के लिए केवल 2011 की जनगणना का उपयोग किया। यह दोहरा मापदंड संविधान के अनुच्छेद 243ळ की भावना के विपरीत है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि नगर निगम पंचकूला की भौगोलिक सीमा में बदलाव के बाद, 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर नई सीमाओं के अनुसार ही आबादी की गणना की जानी चाहिए थी।

पुरानी सीमा में आने वाले क्षेत्रों की आबादी को बाहर करना जरूरी था, जो नहीं किया गया। फैसले में स्पष्ट किया गया कि एससी सीटों का निर्धारण केवल 2011 की जनगणना के आधार पर, वर्तमान नगर निगम क्षेत्र की आबादी को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए था।

हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम 2021 का उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि 4 सितंबर 2025 की अधिसूचना, जिसके तहत एससी के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 4 से घटाकर 3 की गई थी, वह 2011 की जनगणना पर पूरी तरह आधारित नहीं है, इसलिए यह असंवैधानिक है। इसी आधार पर कोर्ट ने उक्त अधिसूचना को, विशेष रूप से पंचकूला नगर निगम की सीमाओं और एससी आरक्षण से संबंधित हिस्से में, रद्द करते हुए निरस्त कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरक्षण केवल पुनर्गठित नगर निगम क्षेत्र की पूरी आबादी की गणना के बाद, 2011 की जनगणना के आधार पर ही लागू किया जा सकता है।

सेवा का अधिकार आयोग की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन वीरवार को

बेहतर सेवा देने वाले अधिकारी होंगे सम्मानित

चंडीगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन वीरवार को हरियाणा लोक भवन, चंडीगढ़ में किया जाएगा। इस अवसर पर हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष रिपोर्ट का विमोचन करेंगे। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह वार्षिक रिपोर्ट प्रदेश में समयबद्ध सेवा वितरण, शिकायत निवारण, ऑटो अपील सिस्टम तथा विभागवार सेवा प्रदर्शन की वर्षभर की उपलब्धियों का विस्तृत दस्तावेज है।

समारोह के दौरान समयबद्ध सेवा वितरण, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा ऑटो अपील सिस्टम के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक चंद्र शेखर खरे, फरीदाबाद नगर निगम के आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा, डीएचबीवीएन, हिसार के कार्यकारी अभियंता होशियार सिंह, पीएचईडी, नारायणगढ़ के कार्यकारी अभियंता अनिल कुमार चौहान, एनआईसी के सिस्टम एनालिस्ट सुअंशु सेठी, तथा एनआईसी के सॉफ्टवेयर डेवलपर प्रशांत कुमार शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग द्वारा अब तक प्रदेश के 56 विभागों एवं संगठनों की 802 अधिसूचित सेवाओं के माध्यम से अब तक कुल 27,43,481 अपीलों/रिवीजनों का पंजीकरण किया गया है, जिनमें से 26,98,634 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। यह कुल मामलों का लगभग 98.4 प्रतिशत है, जो आयोग की प्रभावी कार्यप्रणाली और समयबद्ध सेवा वितरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वार्षिक रिपोर्ट में विभिन्न विभागों की प्रमुख सेवाओं के प्रदर्शन को भी रेखांकित किया गया है। इनमें आय प्रमाण पत्र (शैक्षणिक उद्देश्य), निवासी प्रमाण पत्र, जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बिजली कनेक्शन, बिलिंग शिकायतें, जलापूर्ति बहाली, सीवरेज अवरोध, प्रॉपर्टी आईडी जारी करना, चरित्र प्रमाण पत्र तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से लाखों नागरिकों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराया गया है।

श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 35 प्रतिशत तक बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से होगी लागू : अनिल विज

- नई श्रम संहिताओं के बाद हरियाणा देश का पहला राज्य, जहां श्रमिकों के वेतन में रिकॉर्ड हुई वृद्धि।
- श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में बड़ा कदम- वेतन बढ़ोतरी से मिलेगा सीधा लाभ : विज

चण्डीगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज राज्य सरकार ने श्रमिकों को दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेजेज) की दरों में वृद्धि करके एक तोहफा दिया हैं और यह वेतन वृद्धि 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आज मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई है।

चार नई संहिताओं के लागू होने के बाद न्यूनतम वेतन वृद्धि करने वाला हरियाणा पहला राज्य: विज ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा पहला राज्य है जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय के अंतर्गत चार नई श्रम संहिताएँ- (वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020; तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020) के लागू होने के उपरांत अपने राज्य में श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की दरों में भारी वृद्धि की है। **न्यूनतम वेतन दरों में लगभग 35 प्रतिशत तक हुई वृद्धि** : उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक निर्णय से राज्य के लाखों श्रमिकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अब अकुशल (अनस्किल्ड) श्रमिक का वेतन 11274.60 रुपये से बढ़कर 15220 रुपये होगा, जिसके तहत लगभग 3945.40 रुपये की बढ़ोतरी होगी और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। इसी प्रकार, अर्द्ध-कुशल (सेमी-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 12430.18 रुपये से बढ़कर 16780.74 रुपये होगा, जिसके अंतर्गत इस श्रेणी के श्रमिकों का 4350.56 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी।

विज ने बताया कि कुशल (स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 13704.31 रुपये से बढ़कर 18500.81 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का वेतन 4796.50 रुपये बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। इस तरह, उच्च कुशल (हाई-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 14389.52 रुपये से बढ़कर 19425.85 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का 5036.33 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी भी लगभग 35 प्रतिशत होगी।

विज ने बताया कि चार नई श्रम संहिताएँ-वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020; तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020- को 21 नवंबर 2025 से लागू किया गया और इन संहिताओं के लागू होने से देश के 29 पुराने और बिखरे हुए श्रम कानूनों का सरलीकरण और तर्कसंगत एकीकरण किया गया है।

श्रमिकों की आय में यह उल्लेखनीय वृद्धि: उन्होंने आगे कहा कि यह निर्णय श्रमिकों के कल्याण के प्रति राज्य सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की आय में यह उल्लेखनीय वृद्धि न केवल उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाएगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी।

श्रमिकों के हितों की रक्षा करना मेरी प्राथमिकता : विज ने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और उन्हें बेहतर कार्य परिस्थितियाँ उपलब्ध कराना रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी श्रमिकों के हित में इसी प्रकार के ठोस और प्रभावी निर्णय लिए जाते रहेंगे।

छात्रा से मानसिक प्रताड़ना मामले में दो प्राध्यापकों का तबादला

झज्जर, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय बहुतकनीकी संस्थान (पॉलिटेक्निक) में पिछले काफी समय से चल रहे विवाद पर तकनीकी शिक्षा निदेशालय ने सख्त रुख अपनाया है। छात्रा द्वारा एक कंप्यूटर लेक्चरर पर लगाए गए मानसिक प्रताड़ना और शोषण के गंभीर आरोपों के बाद, निदेशालय ने संस्थान के दो प्राध्यापकों का झज्जर से तबादला कर दिया है।

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब संस्थान की एक छात्रा ने कंप्यूटर लेक्चरर पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और शोषण करने के आरोप लगाए। इस शिकायत के बाद संस्थान के भीतर और बाहर काफी हंगामा हुआ था। छात्रा के पक्ष और आरोपी पक्ष के बीच लंबे समय से रस्साकशी चल रही थी, जिससे संस्थान का शैक्षणिक माहौल भी प्रभावित हो रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी शिक्षा निदेशालय ने उच्च स्तरीय जांच बैठाई थी। जांच के दौरान संस्थान के बिगड़ते माहौल और आपसी खींचतान को देखते हुए प्रशासन ने यह अनुशासनात्मक कदम उठाया है। दो प्राध्यापकों को तुरंत प्रभाव से झज्जर से हटाकर दूसरे केंद्रों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। निदेशालय का लक्ष्य संस्थान में शांति बहाल करना और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना है। इस कार्रवाई के बाद संस्थान के अन्य स्टाफ और छात्रों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। लंबे समय से चल रहे इस विवाद के कारण पढ़ाई का माहौल खराब हो रहा था। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या प्रताड़ना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई भी अमल में लाई जा सकती है।

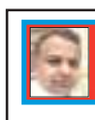

आर.बंसल'S राजनैतिक चटखारे

बंगाल चुनाव को प्रभावित कर पाएगी हरियाणा सरकार की यह घोषणा?

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स। हरियाणा सरकार ने आज मंत्रिमंडल की बैठक में एक बड़ा फैसला लेते हुए हरियाणा प्रदेश में अकुशल श्रमिकों को लेकर एक बड़ा फैसला लिया जिसके तहत अब हरियाणा में अकुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 15220 रुपये करने का ऐलान किया है। हालांकि इस बात को लेकर संशय है कि हरियाणा के उद्योगपति तथा अकुशल श्रमिकों से काम लेने वाले ठेकेदार सरकार के इस फैसले को किस हद तक लागू करेंगे ,लेकिन राजनैतिक गलियारों में इसकी टाइमिंग को लेकर चर्चा जरूर आम हो गई है कि सरकार का यह निर्णय कहीं पश्चिम बंगाल के चुनावों को मद्देनजर रखते हुए तो नहीं लिया गया है? क्योंकि यह एक अटल सच्चाई है कि हरियाणा में बड़ी संख्या में पश्चिम बंगाल के अकुशल मजबूर बड़ी संख्या में कारखानो, भट्टों तथा ठेकेदारों के यहाँ कार्यरत हैं। माना यह जा रहा है कि सरकार का यह फैसला कहीं न कहीं हरियाणा में कार्यरत पश्चिम बंगाल के अकुशल मजदूरों को प्रभावित करेगा। जानकारों का मानना है कि हरियाणा में पश्चिम बंगाल के मजदूरों की संख्या लाखों में है, यदि सरकार इन मजदूरों तक अपने इस फैसले की जानकारी पहुँचाने में सफल हो जाती है, तो पश्चिम बंगाल के चुनाव को प्रभावित किया जा सकता है? हालांकि यह भी बडी सच्चाई है कि बड़ी संख्या में पश्चिम बंगाल के मजदूर हरियाणा से चुनाव के लिए वापस अपने राज्य जा चुके हैं । यही नहीं चर्चा यह भी है कि बंगाल की मुख्यमंत्री ने जो नारा दिया है कि यदि आप वोट नहीं डालोगे तो आपको बांग्लादेशी घोषित कर दिया जाएगा वह लोगों को खासा प्रभावित कर रहा है, इसी कारण समय पूर्व ही हरियाणा में कार्यरत मजदूर बडी संख्या में अपने राज्य के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। यही कारण है कि अब चर्चा यह है कि क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के नारे पर हरियाणा सरकार का यह पैंतरा काम कर पाएगा? लेकिन माना ये भी जा रहा है कि यदि हरियाणा सरकार का यह पैंतरा काम कर गया तो पश्चिम बंगाल चुनावों में एक बड़ा असर दिखा सकता है?

दक्षिणी हरियाणा के चार मंत्रियों की बैठक में क्या हुई चर्चा?

चंडीगढ में सिविल सचिवालय में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री के कार्यालय में दक्षिणी हरियाणा के चार मंत्रियों की लगभग एक घंटा चली बैठक में क्या चर्चा हुई इसको लेकर राजनैतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है? चर्चा है कि प्रदेश के परिवहन मंत्री का हाल चाल जानने पहुंचे तीन इक्के जब उनके कार्यालय से बाहर निकले तो पडोस के दक्षिणी हरियाणा से सबंध रखने वाले एक कैबिनेट मंत्री के कार्यालय में पहुंच गए और यहां पर लगभग एक घंटे तक इन चारों मंत्रियों की गुफ्तगू चलती रही? अब इन चारों मंत्रियों के मध्य क्या चर्चा चली इसको लेकर कयासों का दौर जारी है, यह चर्चा इस कारण भी अधिक चर्चाओं मं हैं कि यह चारों मंत्री दक्षिणी हरियाणा के वह मंत्री है जिनकी राजनैतिक कैमिस्ट्री उनके सांसदों की कैमिस्ट्री से हमेशा रिएक्शन मोड पर रहती है। इन में से एक मंत्री ने तो खुल्लम खुल्ला अपने क्षेत्र के सांसद व केन्द्रीय मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, ऐसा ही हाल अप्रत्यक्ष रुप से शेष तीनों इक्कों का भी है, लेकिन राजनैतिक गलियारों में चर्चा यह है कि इस बैठक में केवल अपने सांसदों को लेकर चर्चा हुई या फिर मामला और भी गंभीर है?

क्या बैठकों में सिमट कर रह जाएगा अरावली में अवैध निर्माण का मुद्दा?

अरावली पर्वतमाला में अवैध निमार्णों को लेकर पिछले दिनों देश की सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर बड़ा तोड़फोड़ अभियान चलाया गया था। उस कार्रवाई से यह उम्मीद जगी थी कि एनसीआर के फेफड़े कहे जाने वाले इस पर्यावरणीय क्षेत्र को राहत मिलेगी। लेकिन अब कई महीनों से यह पूरा मामला बैठकों तक सिमटता हुआ नजर आ रहा है। वीरवार को इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी की एक और बैठक प्रस्तावित है। हालांकि जिस तरह से वरिष्ठ अधिकारी खुद उपस्थित होने के बजाय अधीनस्थ अधिकारियों को बैठकों में भेज रहे हैं, उससे इस प्रक्रिया की गंभीरता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि जब तक निर्णय लेने वाले अधिकारी स्वयं बैठकों में भाग नहीं लेंगे, तब तक ठोस कार्रवाई की उम्मीद कम ही रहेगी। जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति से बैठकों के परिणाम भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं। स्थिति यह है कि जिन अवैध निमार्णों पर कार्रवाई की गई थी, उनमें से कई स्थानों पर दोबारा निर्माण शुरू होने की खबरें हैं। वहीं दूसरी ओर, बड़ी संख्या में ऐसे अवैध निर्माण अब भी मौजूद हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं। चर्चा यह भी है कि कुछ प्रभावशाली लोगों से जुड़े निमार्णों को कथित तौर पर अवैध सूची से बाहर करने की कोशिशें चल रही हैं। यदि यह सही है, तो यह पूरे अभियान की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाता है। लगातार बैठकों के बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में यह आशंका बढ़ रही है कि कहीं अरावली संरक्षण का मुद्दा केवल कागजी बैठकों तक ही सीमित न रह जाए। यदि समय रहते सख्त और पारदर्शी कार्रवाई नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब अरावली का हरित क्षेत्र और अधिक सिकुड़ जाएगा, और इसे पुनर्जीवित करने की उम्मीद भी कमजोर पड़ जाएगी।

परिवार पहचान पत्र की सार्थकता पर प्रश्नचिन्ह?

प्रदेश सरकार ने वेशक हर जगह परिवार पहचान पत्र को आवश्यक बनाया हुआ है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आज के एक फैसले के बाद इस पहचान पत्र की सार्थकता पर उंगली उठने लगी है, असल में पंचकूला नगर निगम में सरकार एस सी वर्ग के वार्ड आरक्षित करने के लिए इसी पहचान पत्र को आधार बना कर यहां पर एससी वर्ग के लिए चार आरक्षित बार्डों की संख्या घटा कर तीन कर दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आज सरकार के इस फैसले पर रोक लगा कर आरक्षण के लिए परिवार पहचान पत्र को आधार बनाने को ही गलत करार दिया। कोर्ट ने इस मामले में साफ कहा कि जनगणना के आधार पर ही वार्ड बंदी तथा वाडों के आरक्षण का फैसला हो सकता है, जिसके बाद यह चर्चा भी चल पडी है कि परिवार पहचान पत्र को सरकार ने वेशह अहम बना रखा है, लेकिन कोर्ट ने उसके महत्व को उस स्तर पर नकार दिया है?

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

पवन दीवान ने लोगों ने बताई इलाके की समस्याएं

लुधियाना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। जिला कांग्रेस कमेटी लुधियाना शहरी के पूर्व अध्यक्ष और पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट

बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने स्थानीय अमृत कॉलोनी, वार्ड नंबर 62 में राम कुमार के निवास पर आयोजित बैठक के दौरान इलाके के निवासियों की समस्याएं सुनीं। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए, पवन दीवान ने कहा कि सरकार द्वारा किए जा रहे दावों के विपरीत लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव में भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

लोगों ने बताया कि इलाके में सड़कों की हालत बेहद खराब है। इसके अलावा, आए दिन होने वाली आपराधिक घटनाएं कानून-व्यवस्था को लेकर सरकारी दावों की पोल खोलती हैं। दीवान ने कहा कि विकास जमीन पर दिखाई देना चाहिए, लेकिन सरकार केवल दिखावे पर जोर दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए बेसब्री से चुनाव का इंतजार कर रहे हैं। इस मौके पर अन्य के अलावा, रोहित पाहवा, कृष्ण लाल, मनजीत कुमार, हनुमान बाहरी, वेद प्रकाश, सुखचैन बराड़, डॉ. रणजीत सक्सेना, महिपाल लोहत, चंदन वर्मा और प्रदीप यादव भी मौजूद रहे।

नशे में बवाल कर रहा था पति, पत्नी ने सिर पर मारा चैला, तड़पकर तोड़ा दम

बाराबंकी, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मसौली के कुरथरा गांव में बुधवार दोपहर नशे में तोड़फोड़ कर रहे युवक के सिर पर पत्नी ने चूल्हे में प्रयोग किए जाने वाला चैला दे मारा। गहरी चोट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है। मृतक के पिता की तहरीर पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मसौली की त्रिलोकपुर चौकी क्षेत्र के कुरथरा गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक रामकुमार का इकलौता पुत्र मोहित अपनी पत्नी शिल्पी और दो बच्चों के साथ रहता था। करीब 15 वर्ष पहले दोनों की शादी हुई थी। उनके 14 वर्षीय पुत्र अभय उर्फ गोलू और 10 वर्षीय पुत्री मिष्ठी हैं। पिछले कई साल से मोहित को शराब पीने की लत थी और वह अक्सर घर आकर विवाद करता था।

बुधवार सुबह करीब 11 बजे वह शराब पीकर घर पहुंचा और पत्नी से झगड़ा करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मोहित ने घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसी दौरान दोनों के बीच मारपीट होने लगी। मोहल्ले के लोग चीख पुकार सुनने के बाद इसे रोज का झगड़ा समझ बीच बचाव में नहीं गए। इस दौरान शिल्पी ने चूल्हे में इस्तेमाल होने वाली भारी लकड़ी उठाकर मोहित के सिर पर वार कर दिया। कनपटी पर गंभीर चोट लगने से मोहित गिर पड़ा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। यह जानने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी काम से बाहर गए मोहित के पिता रामकुमार को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सीओ रामनगर गरिमा पंत ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ के मुताबिक पूछताछ में महिला ने बताया कि उसका पति आयेदिन शराब पीकर झगड़ा करता था। महिला ने बताया कि उसने बचाव में लकड़ी से वार किया, जो जानलेवा साबित हुआ।शराब की लत व घरेलू कलह ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। घटना के समय बेटा अभय गांव के बाहर किक्रेट खेल रहा था।

दो बहनों को ले जाने पर की पंचायत, दो भाइयों और उनके पिता को किया गंजा

सहारनपुर, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से दो नाबालिग बहनों को लेकर जाने वाले दो भाइयों और उनके पिता के बाल भरी पंचायत में मुंडवा दिए गए। साथ ही गालीगलौज करते हुए मारपीट भी की गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है। बता दें, कि करीब 10 दिन पहले एक युवक अपने ही गांव की दो नाबालिग बहनों को बहला-फुसलाकर ले गया था। इस मामले में पिता की शिकायत पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। हालांकि दोनों बहनें खुद ही घर पहुंच गई थीं। बताया जा रहा है कि इसके बाद बुधवार को गांव में समाज के लोगों के बीच पंचायत हुई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हो गया था। सजा के तौर पर युवक, उसके भाई और पिता के बाल मुंडवाए गए। इसी दौरान वहां मौजूद किसी ने वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में युवक हाथ जोड़कर खड़ा दिखाई दे रहा है, जबकि कुछ लोग उसे गालियां देते और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो तीन मिनट 11 सेकेंड का है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो का संज्ञान लिया गया है। वीडियो के आधार पर पहचान की जा रही है। इसके बाद सिर मुंडवाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज भी होगी। दिसंबर 2025 में शादी से इनकार करने पर एक युवक को चप्पलों की माला पहना दी थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में थाना जनकपुरी पुलिस ने एक महिला समेत सात नामजद व पांच-छह अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। वर्ष 2018 में बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में पंचायत में छेड़छाड़ के आरोपी का मुंह काला कर जूतों की पहनाई गई थी। उसके बाल कटवाकर उससे दस हजार रुपये का जुमार्ना भी वसूला था।

राज्य सरकार ने शून्य विद्यार्थी संख्या वाले 24 और स्कूलों को किया बंद

शिमला, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हिमाचल प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों की शून्य संख्या वाले 24 और स्कूलों को बंद कर दिया है। शिक्षा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार 19 प्राइमरी और पांच मिडिल स्कूल डी-नोटिफाई किए गए हैं। बंद किए गए स्कूलों के शिक्षण और गैर शिक्षण स्फाफ, आधारभूत संरचना, कार्यालय अभिलेख और अन्य स्टॉक आदि को शिफ्ट करने का कार्य 17 अगस्त 2024 और 11 सितंबर 2025 के माध्यम से पहले ही जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार होगा।

बंद किए स्कूलों में शिमला जिले के 16, सिरमौर तीन, सोलन एक और लाहौल-स्पीति के चार स्कूल शामिल हैं। शिक्षा विभाग के अनुसार इन स्कूलों में एक भी बच्चा पंजीकृत नहीं था। इस वजह से स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में छात्र ही नहीं हैं, उन्हें चलाए रखना संसाधनों की बबार्दी है।

प्रदेश के 70 लाख प्रीपेड मीटर किए जाएंगे पोस्टपेड

लखनऊ, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। प्रदेश में बिना सहमति के 70 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं के स्मार्ट प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड मोड में बदलने का मामला बुधवार को नियामक आयोग पहुंच गया है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग में याचिका दायर कर मांग की कि सभी कम्पनियों को निर्देशित किया जाए कि प्रीपेड को तत्काल पोस्टपेड में बदला जाए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बुधवार को विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार तथा सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर लोकहित प्रस्ताव (याचिका) दाखिल किया। इसमें बताया कि केंद्र सरकार द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47 (5) के तहत उपभोक्ताओं को प्रीपेड एवं पोस्टपेड मीटर चुनने का विकल्प है।

बरिंदर गोयल ने उत्तर भारत के पहले सेंट्रल पिवट सिंचाई सिस्टम का किया उद्घाटन

आधुनिक सिंचाई तकनीकों के जरिए जल संरक्षण की तत्काल जरूरत पर दिया जोर

लुधियाना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। पंजाब के मृदा एवं जल संरक्षण, खान एवं भूविज्ञान, और जल संसाधन मंत्री, बरिंदर कुमार गोयल ने बुधवार को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में राज्य के पहले सेंट्रल पिवट सिंचाई सिस्टम का उद्घाटन किया। यह उत्तर भारत में इस आधुनिक, स्वचालित सिंचाई तकनीक की पहली स्थापना है।

इस मौके पर कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल, ठअइअफ्ळके ऊ्रष्ट अमित गर्ग और अन्य लोग मौजूद थे। प्रगतिशील किसान, वैज्ञानिक, संकाय सदस्य, और मृदा एवं जल संरक्षण, कृषि, बागवानी और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी इस उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने वैज्ञानिकों, अधिकारियों और छात्रों से नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और खेती की अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उभरते युग में। गोयल ने भूजल संरक्षण के प्रति पंजाब सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया और कृषि में सतही जल के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में की गई महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना की। उन्होंने पंजाब में उन्नत सेंट्रल पिवट सिंचाई सिस्टम शुरू करने के लिए मृदा एवं जल संरक्षण विभाग की प्रशंसा की और ढअव में इस अग्रणी प्रदर्शन परियोजना के वित्तपोषण के लिए ठअइअफ्ळके प्रति आभार व्यक्त किया।

इस तकनीक का वर्णन करते हुए, मंत्री ने कहा कि सेंट्रल पिवट सिंचाई सिस्टम एक बार का, पूरी तरह से स्वचालित सिंचाई समाधान प्रदान करता है, जो विशेष रूप से पंजाब के उन खेतों के लिए फायदेमंद है जो मजदूरों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। इस सिस्टम में किसी भी मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है – 3 एकड़ के खेत के लिए सटीक सिंचाई केवल आवश्यक डेटा दर्ज करके प्राप्त की जा सकती है, जिससे पूरा काम एक ही चक्र में पूरा हो जाता है। उन्होंने पंजाब के कृषि और ग्रामीण बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में NABARD द्वारा लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

किसानों को नुकसान पहुंचाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : नरिंदर बेनीपाल

लुधियाना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के आदेश के अनुसार, पंजाब के किसानों को अच्छी क्वालिटी के इनपुट फर्टिलाइजर, दवाइयां और बीज की लगातार सप्लाई को ध्यान में रखते हुए, एग्रीकल्चर मिनिस्टर गुरमीत सिंह खुडियां और एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी अर्शदीप सिंह थिंद के डायरेक्शन में, जॉइंट डायरेक्टर एग्रीकल्चर (प्लांट प्रोटेक्शन) डॉ. नरिंदर सिंह बेनीपाल और चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर, लुधियाना डॉ. गुरदीप सिंह की टीम ने जगराओं में परदेसी ढाबे के पीछे, मनोज कुमार, बेटे राम आसरा, निवासी कोठे शेर जंग, जगराओं के 'राफा बायोटेक' पर रेड की। मौके पर मनोज कुमार के पास से अलग-अलग कंपनियों के जिंक सल्फेट 33 परसेंट और मैंगनीज सल्फेट बड़ी मात्रा में बनाते हुए पाए गए। अलग-अलग कंपनियों के जिंक सल्फेट 33 परसेंट के पैकेट, जो ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर हैं, बरामद किए गए और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की टीम ने उनके सैंपल लिए। मनोज कुमार मौके पर खेती में इस्तेमाल होने वाली खाद बनाने और बेचने का कोई लाइसेंस नहीं दिखा सका। इस बीच, लुधियाना रूरल (जगराओं) के सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस से संपर्क किया गया और थाना सिटी जगराओं की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस टीम ने जब्त की गई खाद और अलग-अलग कंपनियों की जगहों को सील कर दिया और मनोज कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट ने पुलिस को अर्जी देकर मनोज कुमार के खिलाफ फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर 1985 और एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट 1955 की अलग-अलग धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की।

पंजाबी हिंदू ग्रुप पंजाब की मीटिंग आयोजित

लुधियाना, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। आज पंजाबी हिंदू ग्रुप पंजाब की मीटिंग महंत रविकांत मुनि प्रेसिडेंट पंजाबी हिंदू ग्रुप (हिंदू वेलफेयर बोर्ड) में यह तय किया गया कि पंजाबी हिंदू ग्रुप पूरे पंजाब में पंजाबी हिंदुओं से जुड़े सभी बड़े मुद्दों पर माननीय मुख्यमंत्री पंजाब को मांग पत्र देगा।

हमारी मुख्य मांगें इस तरह हैं: आतंकवाद के पीड़ितों को 1984 के दंगों के पीड़ितों की तरह मुआवजा और इंसाफ दिया जाए। आतंकवाद के पीड़ितों और आतंकवाद से जुड़े गुनहगारों की मौजूदा स्थिति पर एक स्टेटस रिपोर्ट तैयार की जाए और एक कमीशन बनाकर जांच की जाए। पंजाब में रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को पंजाब राज्य में अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाए। पंजाबी हिंदू ग्रुप द्वारा पहले प्रस्तावित हिंदू मंदिर एक्ट को लागू करके, पंजाबी हिंदू समुदाय को SGPC की तरह बिना सरकारी दखल के अपने मठ और मंदिरों को मैनेज करने का अधिकार दिया जाए। पंजाबी भाषा की पुरानी और असली स्क्रिप्ट लांडा लिपि को पंजाब की ऑफिशियल स्क्रिप्ट के तौर पर पहचान दी जाए और उसका सम्मान पक्का किया जाए। पंजाब के महान योद्धा राजा पोरस की बहादुरी का सम्मान करते हुए उनकी याद और सम्मान को सरकारी लेवल पर स्थापित किया जाए। इसके अलावा, अगर पंजाबी हिंदू कम्युनिटी की कोई और खास मांग सामने आती है, तो उसे भी मांग पत्र में शामिल किया जाएगा।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के रिकॉर्ड देखने से हाईकोर्ट का इनकार

लखनऊ, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में जज के चेंबर में हुई सुनवाई के दौरान गृह मंत्रालय की ओर से आए रिकॉर्ड का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ उपस्थित थे, लेकिन कोर्ट इस स्टेज पर राहुल के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच नहीं करने जा रही है। कोर्ट भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याची ने 28 जनवरी को लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था।

दोहरे हत्याकांड के दो आरोपियों ने न्यायालय में किया आत्म समर्पण

बदायूं, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। बदायूं के चर्चित दोहरे हत्याकांड के दो आरोपियों ने बुधवार को न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया। आत्म समर्पण करने वाले आरोपी केशव और चंदशेखर हैं। ये दोनों मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह के सगे भाई हैं। घटना के बाद से दोनों फरार चल रहे थे। दोनों आरोपियों ने जेएम प्रथम सौम्या अरुण की कोर्ट में वकील के जरिए आवेदन किया था। दोपहर करीब डेढ़ बजे दोनों ने नाटकीय ढंग से आत्म समर्पण कर दिया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैजनी गांव स्थित एचपीसीएल प्लांट में 12 मार्च को दिनदहाड़े दो अफसरों की हत्या कर दी गई थी। वारदात के मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह ने थाने में आत्म समर्पण किया था। कोर्ट से उसे जेल भेजा गया था। इसके बाद कंपनी में काम करने वाले धर्मेंद्र यादव और मुनेंद्र सिंह को घटना की साजिश रचने के आरोप में जेल भेजा गया था। इस मामले की जांच इंस्पेक्टर मूसाझाग व एसएसपी द्वारा बनाई गई तीन इंस्पेक्टरों व सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय की टीम कर रही है। जांच में मुख्य आरोपी अजय के भाई केशव सिंह व तहेरे भाई अभय प्रताप सिंह का भी अहम भूमिका सामने आई है। इसके चलते दोनों पर हत्या की साजिश रचने की धारा लगाई गई है। ये दोनों भी कंपनी में नौकरी करते थे। वारदात के बाद इन सभी को नौकरी से हटा दिया गया था। दोहरे हत्याकांड में अजय का भाई चंद्रशेखर भी आरोपी बनाया गया है। दोहरे हत्याकांड के मामले में डीआईजी अजय कुमार साहनी ने मंगलवार रात अभय प्रताप सिंह और केशव की गिरफ्तारी पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बुधवार को आरोपी केशव ने अपने भाई चंद्रशेखर के साथ कोर्ट में आत्म समर्पण कर दिया। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि कोर्ट में सरेंडर करने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेगी। इसके लिए बृहस्पतिवार को कोर्ट ने तारीख दी है। दोनों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

पिता-पुत्र की हत्या कर पिकअप लूटी, एक गिरफ्तार, दो आरोपियों और वाहन की तलाश जारी

संभल, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। धनारी थाना क्षेत्र से किराए पर पिकअप वाहन ले जाकर वाहन स्वामी व उसके बेटे की हत्या करने के एक आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उसके दो साथी और लूटी गई पिकअप की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं। पुलिस की गोली लगने से घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी कुलदीप सिंह ने हत्याकांड का खुलासा किया।

धनारी थाने के भिरावटी गांव के मजरा मलूआ के घेर निवासी रामसरन की ओर से बीती चार अप्रैल को तहरीर दी गई थी कि उसका भाई नरेश (41) व उसका भतीजा भीमसेन (19) दो अप्रैल की शाम लगभग सात बजे अपनी पिकअप लेकर बुकिंग पर मेरठ से लेबर लाने के लिए गए थे। इनसे उसी रात समय करीब 10.15 बजे आखिरी बार बात हुई थी। उसके बाद से नरेश व भीमसेन का मोबाइल बंद हो गया। सुबह से उनका फोन स्विच ऑफ बता रहा था, जिस पर परिजनों व रिश्तेदारों द्वारा उनके द्वारा बताई गई आखिरी जगह मेरठ के टोल प्लाजा व रास्तों पर तलाश किया लेकिन जानकारी नहीं मिल सकी। रामसरन की तहरीर पर पुलिस ने दोनों पिता-पुत्र की गुमशुदगी दर्ज कर ली और थाने की पुलिस टीम तत्काल उनकी तलाश में संभावित स्थानों पर गई लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिल सकी। छह अप्रैल को पुलिस द्वारा अपहरण की धारा 140 (3) बीएनएस बनाम अज्ञात तरमीम कर पंजीकरण किया गया। इसके बाद सर्विलांस की मदद से आसपास के जिलों में तलाश की गई। सात अप्रैल मंगलवार को शामली जनपद के काबड़ौत के खेतों में दो अज्ञात व्यक्तियों का शव मिलने पर परिजनों को मौके पर भेजा गया।

उन्होंने दोनों शवों की शिनाख्त नरेश व भीमसेन के रूप में की। पुलिस के अनुसार नरेश के हाथ बंधे हुए थे और भीमसेन के हाथ खुले थे। पोस्टमार्टम के आधार पर दोनों की गला दबा कर हत्या किया जाना पाया गया। इसके बाद हत्या की धारा पुलिस ने बढ़ा दी। घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र करते हुए सर्विलांस की मदद से घटना में शामिल आरोपी मनोज पुत्र महावीर निवासी चिंजरी, थाना मूसाझाग, जिला बदायूं का नाम प्रकाश में आया। इसकी गिरफ्तारी को संभावित स्थानों पर टीमों द्वारा सघन चेकिंग व दबिश दी गई। चेकिंग के दौरान आरोपी मनोज को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बायं पैर में गोली लगी थी। इससे पुलिस ने एक 315 बोर का तमंचा व खोखा कारतूस व एक नाल में फंसा कारतूस भी बरामद किया है।

आरोपी ने अपने अन्य दो साथियों के नाम अरविंद व संतोष निवासी ग्राम रझेड़ा सलेमपुर, थाना कैलादेवी, जिला संभल बताए हैं। पुलिस की पूछताछ में मनोज ने बताया कि तीनों ने साथ मिलकर दो अप्रैल को वाहन लूटने की योजना बनाकर नरेश व भीमसेन की पिकअप गाड़ी भाड़े पर ले जाकर उनकी हत्या गला दबाकर कर दी।

प्रदेश में शुरू हुई जनगणना की तैयारी

लखनऊ, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। प्रदेश में जनगणना-2027 के पहले चरण की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि 10 अप्रैल तक करीब 5.5 लाख प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का सत्यापित डिजिटल डाटाबेस तैयार कर लिया जाए। लोगों को जागरूक भी करें और तय समय में तैयारी पूरी करें। किसी तरह की कोई खामी न रहे। इसके साथ ही 16 अप्रैल से 7 मई के बीच सभी कर्मियों का गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण पूरा करने के निर्देश दिए। घनी आबादी, शहरी और झुग्गी क्षेत्रों में सटीक गणना सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा है। उन्होंने बताया कि जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। आम नागरिकों के लिए स्व-गणना पोर्टल 7 से 21 मई तक उपलब्ध रहेगा, जिससे लोग खुद अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं, जिससे लोगों को इसकी जानकारी हो। महारजिस्ट्रार मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना के आंकड़े देश के विकास की दिशा तय करते हैं, इसलिए इसे जन-अभियान के रूप में संचालित करना जरूरी है।जनगणना 2027 में हाउस लिस्टिंग का काम 22 मई से शुरू होगा। उसको लेकर बुधवार को नगर निगम मुख्यालय में फील्ड ट्रेनर्स के लिए एक रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नगर के वह कर्मचारी-अधिकारी भी शामिल हुए जिनको जनगणना के कार्य में लगाया गया है। उनको जनगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को बेहतर ढंग से समझाया गया। सांख्यिकी अन्वेषक रमेश चंद्र पांडे, सहायक निदेशक उपासना गिरी और आईटीआई प्रवक्ता गौरव त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को जनगणना की पूरी प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं और संभावित समस्याओं के बारे में बताया। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि प्रशिक्षकों की जिम्मेदारी केवल खुद सीखने तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें दूसरों को भी सही ढंग से प्रशिक्षित करना है। इस मौके पर नगर जनगणना अधिकारी ललित कुमार, नोडल अधिकारी अशोक सिंह सहित पूरी टीम मौजूद रही।

बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी पीजी की सीटें : सीएम

शिमला, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में पीजी की सीटें बढ़ाई जा रही हैं। टांडा मेडिकल कॉलेज में 57, नेरचौक 29, नाहन 32, चंबा 33, हमीरपुर 67 और आईजीएमसी में 96 पीजी सीटें बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि सीटों के बढ़ने के बाद इन मेडिकल कॉलेजों के कामकाज में तेजी आएगी और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो पाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह जानकारी बुधवार को आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने नए मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों और टांडा मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी को देखते हुए अगले तीन वर्षों के लिए उनकी सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने को कहा। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ने पर किसी भी स्तर पर प्रमोशन को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि असिस्टेंट और एसोसिएट प्रोफेसरों की कमी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार उन्हें डेजिग्नेट कर रही है। वर्तमान सरकार की प्राथमिकता मेडिकल कॉलेजों के सभी विभागों को सुदृढ़ करने की है और विशेष रूप से डाइग्नोसिस सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। इस वर्ष नवंबर तक सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सों के खाली पदों को भर दिया जाएगा और तकनीकी स्टाफ भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होगा। राज्य सरकार 3,000 करोड़ रुपये खर्च कर प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में आधुनिक मशीनें और उपकरण खरीद रही है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्टाफ की कमी को भी दूर किया जा रहा है। सुक्खू ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार होगा और प्रदेश में हेल्थ टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही मेडिकल कॉलेज चंबा के चरण-2 का कार्य आरंभ करने जा रही है, जिस पर 192 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही नाहन मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए भी राज्य सरकार 500 करोड़ रुपये प्रदान करेगी। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल, स्वास्थ्य सचिव एम. सुधा देवी, निदेशक स्वास्थ्य शिक्षा डॉ. राकेश शर्मा और सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य वर्चुअल माध्यम से शामिल रहें।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी. आर.एम.ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम व स्थान	DLI-UMB क्षेत्र (PSI/NUR, PSI/PNP, PSI/KKDE) में 25 KV AC ट्रैक्शन सिस्टम की PSI रखरखाव गतिविधियों की दो वर्षों की अवधि के लिए आउटसोसिंग।
अनुमानित लागत	Rs.2,47,07,331.41/-
बयाना राशि	Rs.4,94,200/-
ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	16.04.2026 (10.30 बजे) से 30.04.2026 (15.00 बजे तक)
ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	30.04.2026 (15.00 बजे)
निविदा छपाई की लागत	07041032
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्याः 02.क.वि.–नई दिल्ली–2026–27 दिनांक : 08.04.2026 1163/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रजनीकांत की युवाओं को सलाह, 'पढ़ाई पर ध्यान दो और नशे-शराब से दूर रहो'

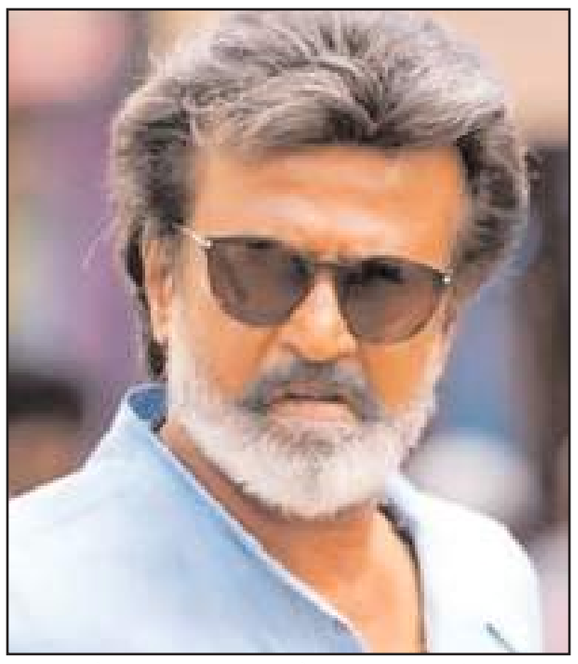

मुंबई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। 75 साल की उम्र में भी मेगास्टार रजनीकांत फिल्मों में सक्रिय हैं। मेगास्टार रजनीकांत ने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए, न कि नशे या शराब जैसी बुरी आदतों में पड़ना चाहिए।

चेन्नई एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए रजनीकांत ने कहा कि युवा अपने जीवन के बारे में गंभीरता से सोचें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युवा गलत रास्ते पर चले तो उनकी जिंदगी जहन्नुम बन सकती है। रजनीकांत ने युवाओं से अपील की कि वे अनुशासन में रहें, पढ़ाई करें और अच्छी आदतें अपनाएं।

रजनीकांत ने कहा, 'युवाओं को अपनी शिक्षा और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ रहें। नशे या शराब के आदी न बनें। अगर आपको चोट लगी तो यह सिर्फ आपका ही नहीं, आपके माता-पिता और परिवार का भी नुकसान है। जिंदगी न सिर्फ आपके लिए, बल्कि आपके प्रियजनों के लिए भी नर्क बन सकती है। अगर आपका कोई दोस्त नशा करता है तो उसके पास न जाएं।'

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। 'जेलर 2' 2023 की सुपरहिट तमिल फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसे नेल्सन दिलीप कुमार निर्देशित कर रहे हैं।

यह फिल्म 12 जून 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म में रजनीकांत 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन की भूमिका में लौटेंगे और शाहरुख खान और मिथुन चक्रवर्ती जैसे सितारों के कैमियो होने की खबर है। इसके अलावा रजनीकांत 'थलाइवर 173' फिल्म में भी काम कर रहे हैं, जिसका निर्देशन सिबी चक्रवर्ती कर रहे हैं। 'थलाइवर 173' को जिसे कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी निर्मित कर रही है। अप्रैल 2026 में शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म पोंगल 2027 में रिलीज हो सकती है।

पान मसाला विज्ञापन केस में सलमान खान को राहत!

मुंबई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। राजस्थान हाई कोर्ट ने सलमान खान को राहत दी है। अब अभिनेता को 13 अप्रैल को जयपुर जिला उपभोक्ता आयोग-क्क्र के सामने पेश होने की जरूरत नहीं है। आयोग ने सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह तारीख पहले अभिनेता के लिए 'अंतिम अवसर' के तौर पर तय की गई थी। ऐसा न कर पाने की स्थिति में गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने थे। राजस्थान हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है। यह मामला योगेंद्र सिंह बडियाल की तरफ से दायर एक शिकायत से जुड़ा है। अपनी शिकायत में उन्होंने पान मसाला और उसके ब्रांड एंबेसडर सलमान खान पर गुमराह करने वाले विज्ञापन दिखाने का आरोप लगाया गया है। इन उत्पादों का प्रचार 'केसर-युक्त इलायची' और 'केसर-युक्त पान मसाला' के तौर पर किया गया था। बडियाल ने तर्क दिया, 'इस तरह के दावे सुरक्षा और गुणवत्ता के बारे में एक गलत धारणा बनाते हैं, जबकि यह बात जगजाहिर है कि पान मसाला के सेवन से कैंसर सहित स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे जुड़े होते हैं।'

कैटी पेरी ने जस्टिन ट्रूडो के साथ शेयर की क्यूट तस्वीर

मुंबई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। अपने गानों से सभी का जिल जीत चुकीं अमेरिकी सिंगर कैथरीन एलिजाबेथ उर्फ कैटी पेरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। कैटी ने अपनी इस नई पोस्ट में कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ अपनी खास तस्वीरें शेयर कर फैंस को फिर से सरप्राइज कर दिया है। कैटी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'कभी नहीं सोचा था कि कर्म इतना फलदायी हो सकता है।' इस पोस्ट में कैटी की कई खूबसूरत तस्वीरें हैं। जिसमें ट्रूडो के साथ क्यूट तस्वीर, अपनी बेटी के साथ प्यारे पल को भी शेयर किया और समुद्र किनारे बाइक चलाते हुए वीडियो और कुछ मस्ती भरी तस्वीरें भी हैं।

पिछले कुछ महीनों से कैटी और ट्रूडो को कई बार साथ देखा गया है। जुलाई में मॉन्ट्रियल में दोनों को साथ देखकर डेटिंग की खबरें शुरू हुईं। दिसंबर 2025 में उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर लिया था। दोनों लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप निभा रहे हैं। कैटी अमेरिका में रहती हैं और ट्रूडो कनाडा में। दोनों अपने बच्चों की खुशी और स्थिरता को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं।

एनएनआई की खबर के अनुसार, 'बच्चों की स्थिरता उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जब भी समय मिलता है, वे एक-दूसरे से मिलते हैं।' इस दौरान ट्रूडो अक्सर उनके शो में मिलने जाते रहे। इस पोस्ट से पहले कैटी पेरी ने एक विंटर थीम वाला फोटो कैरोसेल शेयर किया था, जिसमें वह और जस्टिन ट्रूडो साथ नजर आईं। बर्फीले पहाड़ों के बीच शेयर की गई इन तस्वीरों के साथ कई सेल्फी भी शेयर की थीं। कैटी ने कैप्शन में प्यार और बदलाव की बात लिखी थी।

पूजा हेगड़े के बाद अब मृणाल के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे वरुण

मुंबई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' से आज वरुण धवन ने एक और नया लुक शेयर किया है। हाल ही में वरुण ने अपनी इस फिल्म से पूजा हेगड़े के साथ एक रोमांटिक लुक शेयर किया था। वहीं आज वरुण ने मृणाल ठाकुर के साथ रोमांटिक पोज शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। वरुण धवन ने आज अपनी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के सेट से मृणाल के साथ तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ वरुण ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन जवानी में इश्क बार-बार होता है।' 7 अप्रैल को वरुण ने ठीक एक दिन पहले इसी फिल्म से पूजा हेगड़े के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की थी। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'इश्क सिर्फ एक बार होता है।' फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के जरिए वरुण अपने पिता डेविड के साथ चौथी बार जुड़ रहे हैं। इससे पहले पिता-पुत्र की जोड़ी फिल्म 'मैं तेरा हीरो' (2014), 'जुड़वा 2' (2017), और 'कुली नंबर 1' (2020) में साथ काम कर चुकी है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 5 जून को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन यश अभिनीत 'टॉक्सिक' के साथ क्लैश से बचने के लिए तारीख को आगे खिसका दिया गया।

धुरंधर की स्क्रिप्ट चोरी मामले में कोर्ट ने आदित्य धर को दी राहत

मुंबई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आदित्य धर द्वारा निर्देशित धुरंधर और धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित किए। लेकिन फिल्म मेकर संतोष कुमार ने आदित्य धर पर धुरंधर के लिए उनकी कहानी चुराने के आरोप लगाए। आरोप के बार-बार दोहराने पर आदित्य धर ने मानहानि की बात कहते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को अंतरिम आदेश पारित करते हुए संतोष कुमार को आदित्य धर पर लगाए गए स्क्रिप्ट चोरी के आरोप को दोहराने से रोक दिया। आदित्य धर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया कि संतोष कुमार के बार-बार लगाए गए आरोप मानहानिकारक हैं। ये उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। जस्टिस आरिफ डॉक्टर ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए कहा कि आदित्य धर को प्रथम दृष्टया राहत पाने का मामला बनता है। अदालत ने कहा, अगली सुनवाई तक संतोष कुमार को आदित्य धर द्वारा दायर मुकदमे में ऐसे शब्दों और टिप्पणियों तथा इसी तरह के अन्य सभी आरोपों को दोहराने से रोका जाएगा। मामले की अगली सुनवाई अब 16 अप्रैल को होगी।

मुकदमे के अनुसार, संतोष कुमार ने 2025 में आई फिल्म धुरंधर की अगली कड़ी धुरंधरः द रिवेंज की रिलीज के बाद ये आरोप लगाए थे। इसमें उन्होंने आदित्य धर पर अपनी रजिस्टर्ड स्क्रिप्ट डी साहब की नकल करने का आरोप लगाया था। इसके बाद आदित्य धर ने पहले संतोष कुमार को कानूनी नोटिस भेजकर साहित्यिक चोरी से इनकार किया और उनसे आगे आरोप लगाने से रोकने को कहा।लेकिन जब संतोष कुमार ने कोई जवाब नहीं दिया, तो आदित्य धर ने डीएसके लीगल के माध्यम से उच्च न्यायालय का रुख किया। आदित्य धर के वकील बीरेंद्र सराफ ने अदालत को बताया कि बार-बार लगाए जा रहे आरोपों से फिल्म निमार्ता की छवि और साख को भारी क्षति हो रही है।

आदित्य धर द्वारा निर्देशित धुरंधर पिछले साल रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों और क्रिटिक्स ने काफी सराहा था। इसके बाद इस साल 19 मार्च को फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म धुरंधरः द रिवेंज सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और कमाई के कई रिकॉर्ड बनाए।

कॉकटेल 2 के गाने जब तलक का फर्स्ट लुक रिलीज, निराश हुए फैंस

मुंबई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। मेकर्स थोड़े-थोड़े टाइम पीरियड में फिल्म से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इस बीच आज भी उन्होंने फिल्म के गाने जब तलक का लुक शेयर किया है। हालांकि इससे फैंस ज्यादा खुश नजर नहीं आए।

मेकर्स के साथ फिल्म के एक्टर्स ने भी इस गाने का लुक शेयर किया। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर कर लिखा- इस समर और भी ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है। गाने के क्लिप में तीनों एक्टर्स काफी कूल लुक में नजर आए, साथ ही इंजॉए करते हुए और पार्टी करते दिखाई दिए। गाने की क्लिप देखकर लग रहा है कि मूवी दोस्ती, प्यार और पागलपन के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो गाने के लुक में भी मेकर्स ने लिखा। गाने से पहली कॉकटेल और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा फिल्म की मस्ती की झलक दिखाई दी। हालांकि ये क्लिप सामने आने के बाद फैंस ज्यादा खुश नहीं दिखाई दिए। बता दें कि ये क्लिप थिएटर्स में पहले रिलीज हो चुका था, जिसके बाद इस लुक में मेकर्स ने कुछ अलग नहीं किया। इसी को लेकर लोग नाराज हो गए, और कमेंट में इस बात का जिक्र करने लगे। उन्होंने लिखा कि ये तो हम पहले ही थिएटर में देख चुके थे, फिर इसकी इतनी हाइप क्यों बनाई। कई यूजर्स ने इस बात का जिक्र करते हुए कमेंट किया और इसे निराशाजनक बताया। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कॉकटेल 2 एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

क्रिकेट

निडर बल्लेबाजी का नया नाम हैं वैभव सूर्यवंशी! हार्दिक पांड्या भी हुए फैन

गुवाहाटी, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। महज 15 साल की उम्र में जिस आत्मविश्वास और निडरता के साथ वैभव ने बल्लेबाजी की, उसने हर किसी को प्रभावित किया। मैच के बाद हार्दिक ने कहा, 'यह देखना काफी दिलचस्प है कि 16-17 साल का लड़का जिस तरह खेल रहा है।

मैच से पहले भी हम उसके बारे में काफी चर्चा कर रहे थे। जिस तरह वह बल्लेबाजी करता है, उसकी निडरता और शॉट्स खेलने की क्षमता शानदार है। मैं उसके भविष्य के लिए उसे शुभकामनाएं देता हूं।' हार्दिक ने मैच के बाद वैभव की पीठ भी थपथपाई। इसकी तस्वीर भी सामने आई है।

इस मुकाबले में सबसे खास पल तब आया जब वैभव सूर्यवंशी का सामना दुनिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक जसप्रीत बुमराह से हुआ। युवा बल्लेबाज ने बिना किसी डर के बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के जड़ दिए। वैभव, बुमराह का पहली बार सामना कर रहे थे और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके बाद उसी ओवर में वैभव ने बुमराह की गेंद पर एक और छक्का लगाया। वैभव ने मुंबई के खिलाफ 14 गेंद में एक चौका और पांच छक्के की मदद से 39 रन की पारी खेली। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वह बड़े मंच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी इस पारी ने मैच का रुख शुरूआती ओवरों में ही तय कर दिया।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने मिलकर मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों पर कहर बरपाया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 2.4 ओवर में टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया। इस ओपनिंग जोड़ी ने 80 रन की तेज साझेदारी की, जिसमें कुल नौ छक्के लगाए गए। जायसवाल ने 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाकर पारी को संभाला और आक्रामक अंदाज बनाए रखा।

बारिश से प्रभावित इस 11-11 ओवर के मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 150/3 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम 123/9 तक ही पहुंच सकी और 27 रन से मुकाबला हार गई। मुंबई की शुरूआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा, रेयान रिकेल्टन और सूर्यकुमार यादव सस्ते में आउट हो गए, जिससे टीम दबाव में आ गई। राजस्थान के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया और मुंबई के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। हालांकि, शेरफेन रदरफोर्ड ने आठ गेंदों पर 25 रन बनाकर थोड़ी उम्मीद जगाई, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। संदीप शर्मा ने शानदार कैच लेकर रदरफोर्ड की पारी का अंत किया और मैच पूरी तरह राजस्थान के पक्ष में झुका दिया। मुंबई इंडियंस को भले ही इस मैच में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन हार्दिक पांड्या ने अपने खेल भावना से सबका दिल जीत लिया।

मैच के बाद उन्होंने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को खास तौर पर बधाई दी। यह दिखाता है कि क्रिकेट सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं, बल्कि प्रतिभा को पहचानने और सम्मान देने का भी मंच है।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा

नई दिल्ली, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के आगामी दौरे के लिए 24 सदस्यों वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की है। घोषित टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं को भी जगह दी गई है। 13 से 17 अप्रैल तक 4 मैचों की यह सीरीज ब्यूनस आयर्स में खेली जाएगी। हॉकी विश्व कप और एशियन गेम्स को देखते हुए यह दौरा काफी अहम है।

टीम की कप्तान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे हैं। सबसे ज्यादा बेसब्री से फॉरवर्ड दीपिका की वापसी का इंतजार है, जो रिहैब के बाद वापस आ रही हैं। उनकी वापसी से मुख्य कोच खास तौर पर खुश हैं, क्योंकि दीपिका भारत की मेन ड्रैग-फ्लिकर के तौर पर अपनी भूमिका फिर से शुरू कर रही हैं।

अनुभवी दीपिका की वापसी से भारतीय टीम अब ज्यादा संतुलित दिख रही है। उनकी गैरमौजूदगी में, नवनीत कौर, मनीषा चौहान, उदिता और अन्नू जैसी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खास तौर पर, अन्नू ने क्वालिफायर के दौरान अपनी शानदार ड्रैग-फ्लिकिंग स्किल्स दिखाईं।

पिछले एक साल में, नवनीत कौर ने खुद को भारतीय महिला हॉकी में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है और आने वाले एक अहम सीजन के लिए भारत की तैयारियों में अहम भूमिका निभाएंगी।

भारत की अनुभवी गोलकीपर और भारतीय हॉकी की सबसे बेहतरीन गोलकीपरों में से एक, सविता, हाल के क्वालिफायर में नहीं खेल पाने के बाद भी टीम में वापस आ गई हैं। उनकी वापसी सही समय पर हुई है। अर्जेंटीना की टीम भारतीय डिफेंस को पूरी तरह से परखेगी। उस चुनौती का सामना करने के लिए सविता बेहतर विकल्प हैं। हालांकि, सविता की गैरमौजूदगी में क्वालिफायर में बिचू देवी ने बतौर गोलकीपर शानदार प्रदर्शन किया था। युवा गोलकीपर ने अपनी उम्र से अधिक परिपक्वता और शांति दिखाई थी, जिससे यह पक्का हो गया कि भारत के पास अब गोलकीपिंग में मजबूती है। सविता के साथ उनकी लगातार मौजूदगी गोलकीपर की पोजिशन के लिए प्रतियोगिता को बढ़ावा देती है। डिफेंडर ज्योति और फॉरवर्ड मुमताज खान, जो दोनों क्वालिफायर में नहीं खेल पाई थीं, उनकी टीम में वापसी हुई है। बलजीत कौर पिछले एक साल में भारतीय हॉकी के लिए एक अहम परफॉर्मर रही हैं। उन्होंने लगातार अपनी गति और अंदाज से विपक्षी टीमों पर दबाव बनाया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को गोल करने वाली एक भरोसेमंद एथलीट के रूप में साबित किया है। उनका टीम में लगातार होना कोचिंग स्टाफ में उनके लगातार भरोसे को दिखाता है।

आयुष शेट्टी का धमाका, वर्ल्ड नंबर-सात फेंग को सीधे गेम में चटाई धूल

नई दिल्ली, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने चीन के वर्ल्ड नंबर-सात ली शी फेंग को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार शुरूआत की।

निंगबो में खेले गए इस मुकाबले में आयुष ने सीधे गेम में 21-13, 21-16 से जीत दर्ज की। 51 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय खिलाड़ी पूरी तरह हावी नजर आए। यह आयुष और ली शी फेंग के बीच पहला मुकाबला था, लेकिन अनुभव की कमी के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने कोई दबाव नहीं दिखाया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियन फेंग के खिलाफ इस जीत ने आयुष को एक बड़े स्टार के रूप में उभारा है। इस जीत के बाद आयुष शेट्टी अब अगले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन से भिड़ेंगे। यह मुकाबला उनके लिए क्वार्टरफाइनल का टिकट तय करेगा। यह पहली बार नहीं है जब आयुष ने किसी बड़े खिलाड़ी को हराया हो। इससे पहले उन्होंने यूएस ओपन में वर्ल्ड नंबर-छह चोउ तिएन-चेन को हराकर सभी को चौंका दिया था और बाद में खिताब भी अपने नाम किया था। भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्तो ने भी शानदार शुरूआत की। उन्होंने थाईलैंड की जोड़ी को 21-14, 11-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। हालांकि, सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा नहीं रहा। अशित सूर्या और अमृता प्रमुथेश को हार का सामना करना पड़ा। वहीं रोहन कपूर और गड्डे रुथविका शिवानी की जोड़ी भी बाहर हो गई। अब सभी की नजरें भारत के स्टार खिलाड़ियों पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन पर टिकी हैं, जो अपने अभियान की शुरूआत करने वाले हैं। सिंधू का मुकाबला मलयेशिया की वोंग लिंग चिंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन भी अपने पहले मैच में उतरेंगे।

कार की टक्कर से दो महिला खिलाड़ी घायल

नई दिल्ली, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। केरल के कोल्लम में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिला खिलाड़ी घायल हो गईं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मामला सियासी रंग ले चुका है, जहां कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा ने विपक्ष पर आरोप लगाए हैं। केरल के कोल्लम जिले में अस्त्रामम लिंक रोड पर मंगलवार शाम एक कार ने दो महिला खिलाड़ियों को टक्कर मार दी। यह हादसा उस समय हुआ जब चुनावी प्रचार समाप्त होने के बाद यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के कार्यकर्ता कार से लौट रहे थे। दोनों घायल खिलाड़ी उस समय सड़क पर पैदल चल रही थीं। हादसे में घायल दोनों युवतियों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, इनमें से एक खिलाड़ी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जिस कार से हादसा हुआ, वह कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा के बेटे के नाम पर दर्ज है।

चेन्नई के फैंस ने थिंक टैंक से पीटरसन को मेंटर बनाने को कहा

चेन्नई, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2026 अब तक किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। टीम ने अपने शुरूआती तीनों मैच गंवाए हैं और 10 टीमों की अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली करारी हार ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पांच बार की चैंपियन टीम के लिए अब वापसी का रास्ता आसान नहीं दिख रहा है और बड़े बदलाव की जरूरत महसूस हो रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक फैन ने सुझाव दिया कि इंग्लैंड के पूर्व स्टार और दिल्ली कैपिटल्स के मौजूदा मेंटर केविन पीटरसन को सीएसके का मेंटर बनाया जाए। फैन ने लिखा, प्रिय चेन्नई सुपर किंग्स, कृपया केपी को मेंटर बनाकर टीम से जोड़ें।' इस पर पीटरसन ने मजेदार अंदाज में जवाब देते हुए कहा, 'हां, प्लीज। यह मालदीव के ज्यादा करीब है, मेरे लिए ट्रैवल आसान रहेगा।' उनका यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और फैंस को खूब पसंद आया। सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग शुरूआती तीन मैचों में छह, सात और नौ रन ही बना सके हैं। फ्लेमिंग ने कहा, 'जब आप लंबे समय तक एक फ्रेंचाइजी के साथ रहते हैं, तो नई टीम में घुलने-मिलने में थोड़ा समय लगता है। वह इस टीम के साथ जुड़ने की प्रक्रिया में हैं।'

फ्लेमिंग ने आगे कहा कि सैमसन पूरी तरह फिट हैं और टीम के साथ अच्छे से घुल-मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वह रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए बेताब हैं। हमने वर्ल्ड कप में देखा है कि जब वह फॉर्म में होते हैं, तो बेहद खतरनाक खिलाड़ी बन जाते हैं।' कोच ने यह भी साफ किया कि टीम में कई बदलाव हुए हैं, इसलिए खिलाड़ियों के बीच तालमेल बैठाने पर काम किया जा रहा है। लगातार हार के बाद सीएसके पर दबाव बढ़ता जा रहा है। हालांकि टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों पर भरोसा जता रहा है, लेकिन जल्द ही नतीजे नहीं बदले तो प्लेऑफ की राह मुश्किल हो सकती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या चेन्नई सुपर किंग्स इस मुश्किल दौर से बाहर निकलकर अपने पुराने रंग में लौट पाती है या नहीं।

Postal Registration no L-2/HR/FBD/290/24-26

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

फरीदाबाद को एक आदर्श शहर बनाने के लिए वचनबद्ध है नगर निगम : प्रवीण बत्रा जोशी

महापौर ने अधिकारियों को दिए विकास कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/रुपेश बंसल। फरीदाबाद नगर निगम महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने नगर निगम के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए शहर में चल रहे विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फरीदाबाद को एक आदर्श शहर बनाने के लिए नगर निगम वचनबद्ध है और इसे एक बेहतर स्थान बनाने के लिए सभी अधिकारियों को कड़ी मेहनत करनी होगी। महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने बुधवार को नगर निगम के वार्ड नंबर 7, 8, 10, 11, 12, और 13 के प्रमुख मार्गों, चौकों, और वार्ड कार्यालयों का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने वहां पर हो रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, सफाई व्यवस्था और अन्य विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। महापौर ने अधिकारियों से वार्ता करते हुए कहा कि "प्रदेश की नायब सिंह सैनी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार का उद्देश्य भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है, और इस लक्ष्य में फरीदाबाद की अहम भूमिका होगी।

फरीदाबाद के दौरे पर निकलीं नगर निगम की महापौर प्रवीण बत्तरा जोशी।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि वे इन निरीक्षणों के दौरान पाए गए सभी खामियों और समस्याओं को शीघ्र हल करें। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने कहा कि "जो निर्देश दिए गए हैं, उन्हें तुरंत लागू किया जाए और कार्यों की समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कुछ प्रमुख मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने वंदे मातरम चौक के समीप अतिक्रमण पाया और उसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने तिकोना पार्क की ओर जाने वाले नाले की सफाई करने, खुले नालों पर बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने, और आम जनता की सुरक्षा के लिए खुले मेनहोल को शीघ्र ढकने के आदेश दिए। महापौर ने लोधी चौक और अन्य डिवाइडरों पर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर बल दिया। डबुआ-पाली रोड का निरीक्षण करते हुए महापौर ने वहां पड़े लेगेसी वेस्ट (पुराना कचरा) और सड़क किनारे बिखरे स्ट्रीट लाइट के खंभों पर कड़ी नाराजगी जताई और अधिकारियों को इन्हें तुरंत हटाने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने सड़क पर क्षतिग्रस्त स्पीड ब्रेकरों की मरम्मत, सीवर लाइनों की नियमित सफाई और जल निकासी की व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए भी निर्देश दिए।

महापौर ने डिवाइडरों की पेंटिंग करने और उन पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की आवश्यकता जताई। वार्ड कार्यालय (W-11) के निरीक्षण के दौरान, उन्होंने परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और निर्माण मलबे को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने नेहरू कॉलोनी और 17 नंबर चुंगी क्षेत्र में कचरा प्रबंधन की कमियों को दूर करने के लिए नियमित कचरा उठान सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई। महापौर ने नंगला रोड पर सीवर सफाई और नाली निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने की आवश्यकता जताई। इसके अलावा, उन्होंने हार्डवेयर चौक के पास इंटरलॉकिंग टाइल्स का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का आदेश दिया। अंत में, महापौर ने सभी संबंधित विभागों को इन कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए दिशा-निर्देश दिए और अधिकारियों से शीघ्र अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अपेक्षा की।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने 24 बच्चों को किया रेस्क्यू

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। हरियाणा पुलिस द्वारा 1 से 30 अप्रैल तक चलाए जा रहे ऑपरेशन स्माइल अभियान के तहत फरीदाबाद पुलिस ने सराहनीय कार्य किया है। अभियान के पहले

सप्ताह के दौरान पुलिस की विभिन्न टीमों ने 34 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिजनों से मिलवाया, जिनमें 17 बच्चे और 17 वयस्क शामिल हैं। इसके अलावा, भीख मांगने वाले 24 बच्चों को रेस्क्यू कर उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, ताकि उनके पुनर्वास की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। इस अभियान में किडनैपिंग एबडक्शन टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने 3 बच्चों और 3 वयस्कों को ढूंढने में सफलता प्राप्त की। अभियान के दौरान थाना सूरजकुंड क्षेत्र में स्थित एक चिल्ड्रन होम का निरीक्षण भी किया गया। फरीदाबाद पुलिस ने कहा कि गुमशुदा लोगों की तलाश और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। फरीदाबाद पुलिस ने 7 अप्रैल को थाना सराय ख्वाजा क्षेत्र के संतोष नगर में हुई सोनू नामक युवक की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सोनू कुमार और राकेश के रूप में हुई है, जो बिहार के सिवान और छपरा जिले के निवासी हैं, और हाल में संतोष नगर में रह रहे थे। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 2 अप्रैल को संतोष नगर निवासी एक युवती ने शिकायत दी थी कि उसके भाई सोनू को 29 मार्च को उसके दोस्त कृष्णा ने घायल अवस्था में घर लाया था। सोनू को गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल दिल्ली में भर्ती कराया गया, जहां 2 अप्रैल को उसकी मृत्यु हो गई। जांच में पता चला कि मृतक सोनू का कुछ दिन पहले सोनू कुमार के घर से फोन चोरी हुआ था, जिसके बाद दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इस रंजिश के कारण सोनू कुमार और उसके भाई मोनू कुमार ने मिलकर सोनू की हत्या की। साथ ही, राकेश भी इस घटना में शामिल था।

तीन चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। फरीदाबाद पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 3 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल व एक स्कूटी बरामद की है। यह कार्रवाई विभिन्न अपराध शाखा टीमों द्वारा की गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने डबुआ थाना में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में प्रवेश कुमार को सेक्टर-45 से गिरफ्तार किया और उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं, अपराध शाखा AVTS की टीम ने सेक्टर-8 थाना में दर्ज स्कूटी चोरी के मामले में रफीक को सिकरोना क्षेत्र से गिरफ्तार किया और उसके पास से चोरी की स्कूटी बरामद की। इसके अलावा, अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने सुमित कुमार को बाईपास रोड, सेक्टर-37 से गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

तीन अपहरणकर्ता गिरफ्तार

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। बल्लभगढ़ बस अड्डा क्षेत्र में पंचर लगाने वाले युवक के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 3 अप्रैल की है, जब मामूली पैसों के विवाद में आरोपियों ने युवक को जबरन गाड़ी में बैठाकर अगवा किया और रास्ते में उसकी पिटाई की।

पुलिस चौकी बस अड्डा बल्लभगढ़ की टीम ने 7 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए नरेन्द्र उर्फ छोटू, नितिन उर्फ साटा और सूरजपाल सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पैसे वापस मांगने पर उन्हें अपमान महसूस हुआ, जिसके चलते उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई S-Presso कार भी बरामद कर ली है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

भक्तजनों ने किए पवित्र स्थलों के दर्शन

बल्लभगढ़, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। श्री राधे मित्र मंडल बल्लभगढ़ द्वारा एक धार्मिक तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें 121 भक्तजनों को राधा रानी के पवित्र स्थलों–कोकिला वन, नन्दगांव, बरसाना, राधा रानी जी की जन्मस्थली रावल और रमण रेती के दर्शन कराए गए। इस यात्रा का आयोजन राव राम कुमार ने ध्वजा दिखाकर किया, जिसमें प्रमुख भूमिका प्रधान मोहित कुमार गुप्ता की रही। यात्रा के दौरान अधिकांश भक्तजनों ने भजन प्रस्तुत किए, जो सभी के लिए एक आभ्यंतरिक आनंद का कारण बने। इस यात्रा में 110 से अधिक भक्त ऐसे थे जिन्होंने राधा रानी के जन्म स्थल रावल गांव का दर्शन पहली बार किया। इस धार्मिक यात्रा में प्रमुख रूप से हरिओम गर्ग, मनीष गोयल, विपुल गुप्ता, राजीव सिंगला, योगेश सहल, अश्विनी, प्रदीप बंसल, श्याम सुंदर, साधना राघव, अंजलि पाराशर, कुसुम, प्रेमलता जुनेजा, हेमलता अग्रवाल, आरती, नेहा रावत, और सुदेश राठौर उपस्थित रहे।

हरियाणा में निकोटीन पाउच की बिक्री पर सख्ती

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/वनिता। हरियाणा राज्य में निकोटीन पाउच की बढ़ती बिक्री और वितरण को गंभीर चिंता का विषय मानते हुए उपायुक्त आयुष सिन्हा ने संबंधित विभागों को सख्त और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में पाया गया कि ये उत्पाद ऑनलाइन ऐप्स, रिटेल दुकानों और अन्य माध्यमों से खुलेआम बिक रहे हैं, जो विशेष रूप से युवाओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। साथ ही, बाजार में इनके निर्माण हेतु मशीनों और कच्चे माल की उपलब्धता भी पाई गई है, जिससे अवैध उत्पादन बढ़ने की आशंका है। यह स्थिति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है। आदेशों के तहत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निकोटीन पाउच के निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण पर कड़ी निगरानी रखें तथा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। ऐसे मामलों में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 123 एवं 275 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की इस नई प्रवृत्ति से बचाना और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सभी संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर इस अभियान को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। आमजन से भी अपील की गई है कि वे ऐसे उत्पादों के उपयोग से बचें और किसी भी अवैध बिक्री या निर्माण की जानकारी मिलने पर तुरंत अधिकारियों को सूचित करें।

हरियाणा सरकार ने जल और सीवरेज बिलों पर दी ब्याज माफी की राहत, लाभ उठाएं 31 मई तक

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/रुपेश बंसल। हरियाणा सरकार ने जल और सीवरेज उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अहम आदेश जारी किए हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अनुसार, अब चालू बिलों पर देय तिथि तक भुगतान न करने पर केवल 10% की एकमुश्त ब्याज/अधिभार वसूली जाएगी, जबकि पुराने बकाया बिलों पर कोई अधिभार नहीं लगेगा। यह निर्णय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा ने जारी किया।

एडिशनल कमिश्नर सलोनी शर्मा ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक के बकाया बिलों पर लगने वाले 100% अधिभार में एक बार की छूट दी जाएगी। यदि उपभोक्ता 31 मई तक अपने चालू बिलों के साथ बकाया राशि का भुगतान कर देते हैं, तो उन्हें पूरी तरह ब्याज से राहत मिलेगी। यह सुविधा केवल मीटरयुक्त कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को मिलेगी। मीटर रहित उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने के लिए पहले मीटरयुक्त कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। सलोनी शर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जल और सीवरेज कनेक्शन नियमित कराएं। उन्होंने कहा कि निगम लगातार कैंप आयोजित कर रहा है ताकि उपभोक्ता आसानी से बिल भुगतान कर सकें और निगम की कार्रवाई से बच सकें। 31 मई 2026 के बाद बकाया न चुकाने पर जल आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। बिल और कनेक्शन संबंधी जानकारी के लिए निगम के वाटर रेट इंस्पेक्टर्स से संपर्क किया जा सकता है।

फरीदाबाद में एचसीएस प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को

मोबाइल और स्मार्ट डिवाइस पर पूर्ण प्रतिबंध

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की सदस्य डॉ सोनिया त्रिखा ने फरीदाबाद जिले में आयोजित होने वाली हरियाणा सिविल सेवा एवं एलाइड सर्विसेज प्रारंभिक परीक्षा-2025 के सफल संचालन के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। डॉ सोनिया ने समीक्षा बैठक में बताया कि परीक्षा 26 अप्रैल (रविवार) को दो सत्रों में होगी। पहला सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे और दूसरा सत्र शाम 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बैठक में परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। सभी 80 केंद्रों पर CCTV निगरानी, बायोमेट्रिक उपस्थिति, मोबाइल जैमर, फ्रिस्किंग और बैगेज जांच की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में पार्किंग और अनावश्यक गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। केंद्रों के आसपास भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 163 लागू होगी। डॉ सोनिया ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और ईमानदारी बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की नकल या अनुचित गतिविधि को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ सोनिया त्रिखा परीक्षा को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते हुए। छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

सभी अधिकारी और परीक्षा केंद्र पर तैनात कर्मचारी अभ्यर्थियों के साथ संवेदनशील और सकारात्मक व्यवहार रखें। उन्हें अपने बच्चों के समान समझते हुए सुविधा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को अनावश्यक परेशानी या असुविधा नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थियों को केवल वैध एडमिट कार्ड और मूल पहचान पत्र के आधार पर ही प्रवेश मिलेगा। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, पेन स्कैनर जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में ले जाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे। सिख अभ्यर्थियों के लिए कड़ा और कृपाण लेकर आने पर सुरक्षा जांच समय से पहले होगी, जबकि विवाहित महिला अभ्यर्थियों को जांच के बाद मंगलसूत्र पहनने की अनुमति होगी। डॉ सोनिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पेयजल, साफ-सफाई, बैठने की उचित व्यवस्था, दीवार घड़ियां और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। परीक्षा से पूर्व सभी केंद्रों का निरीक्षण कर किसी भी कमी को समय रहते दूर किया जाए। बैठक में डीसी आयुष सिन्हा, एडीसी अंजलि श्रोत्रिया, जिला परिषद सीईओ शिखा, एसडीएम त्रिलोक चंद, डीसीपी कुंडू, सीटीएम अंकित कुमार, डीपीआरओ मूर्ति दलाल, जिला शिक्षा अधिकारी अंशु सिंगला और सीएमओ डॉ जयंत आहूजा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

रोडरेज में युवक पर फायरिंग, किशोर अभिरक्षा में

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। थाना आदर्श नगर क्षेत्र में 3 अप्रैल को हुए रोडरेज मामले में युवक पर फायरिंग करने वाले एक किशोर को अपराध शाखा सेंट्रल टीम ने अभिरक्षा में लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले भी थाना छांयसा में लूट का मामला दर्ज है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, शिकायतकर्ता विवेक ने बताया कि वह सेक्टर-59 जा रहा था, तभी बालाजी पब्लिक स्कूल के पास एक मोटरसाइकिल उससे टकरा गई। मोटरसाइकिल सवार युवक गाली-गलौच करने लगा और देसी पिस्टल से उस पर फायर कर दिया। दूसरी बार फायर करने की कोशिश में विवेक ने उसका हाथ पकड़कर हथियार छीन लिया। भीड़ जुटने पर आरोपी पिस्टल और मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। जांच में सामने आया कि टक्कर के बाद आरोपी आवेश में आ गया और उसने अवैध हथियार से फायरिंग की।

आवश्यक जानकारी

सत्यजय टाईम्स में छपवाए अपने कोर्ट नोटिस

फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित **हिन्दी दैनिक सत्यजय टाईम्स डीएवीपी, रेलवे तथा हरियाणा सरकार** के साथ-साथ **पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़** की विज्ञापन सूची में शामिल **हिन्दी दैनिक** है जिसमें आप अपने न्यायालयों से संबंधित नोटिस भी प्रकाशित करा सकते है।

सत्यजय टाईम्स
Satyajay Times

संपर्क करें :-
विज्ञापन प्रबंधक, मो.9643311765
9811232533, 0129-4042533
Email : satyajaytimes@gmail.com,

डीटीपी एनफोर्समेंट विभाग ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई, दो कॉलोनियां धराशायी

दोषियों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई : याजन चौधरी

फरीदाबाद, 08 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। फरीदाबाद में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ डीटीपी एन्फोर्समेंट विभाग का अभियान बुधवार को भी जारी रहा। इस बार विभाग ने जाजरू क्षेत्र में दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। यह कॉलोनियां लगभग 9 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही थीं, और इनमें निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका था। बुधवार को की गई कार्रवाई के दौरान डीटीपी एनफोर्समेंट विभाग के तोड़फोड़ दस्ते ने जेसीबी मशीनों की मदद से सभी अवैध निमार्णों को तुरंत तोड़ दिया। इस कार्रवाई में करीब 4 दर्जन से अधिक डीपीसी स्तर तक बने निमार्णों को उखाड़ा गया, साथ ही लगभग आधा दर्जन बड़े निर्माण भी ध्वस्त किए गए।

अवैध कॉलोनियों को धराशायी करता डीटीपी एनफोर्समेंट का दस्ता।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

डीटीपी एनफोर्समेंट के अधिकारी याजन चौधरी ने इस कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जाजरू क्षेत्र में एक कॉलोनी करीब 5 एकड़ में और दूसरी कॉलोनी लगभग 4 एकड़ में विकसित की जा रही थी। इन कॉलोनियों में लोगों ने निर्माण कार्य शुरू कर दिया था और इस पूरी प्रक्रिया में अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी।

चौधरी ने स्पष्ट किया कि विभाग अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सरकार के निदेर्शानुसार कड़ी कार्रवाई कर रहा है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिन लोगों ने अवैध कॉलोनियों में निर्माण कार्य किया है या प्लॉटिंग की है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा, याजन चौधरी ने आम जनता से अपील की कि वे अवैध कॉलोनियों और भू-माफियाओं से सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें, क्योंकि इन कॉलोनियों में किए गए निवेश का भविष्य अनिश्चित होता है और इनकी कानूनी वैधता नहीं होती।

याजन चौधरी ने अंत में यह भी कहा कि सरकार के निदेर्शों के तहत अवैध कॉलोनियों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस अभियान के तहत अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई जारी रहेगी। डीटीपी एनफोर्समेंट विभाग द्वारा इस प्रकार की कार्रवाइयों से शहर के विकास को पारदर्शिता और कानूनी दायरे में रखा जाएगा।

सत्यजय टाईम्स सेल्फी कॉर्नर

जितेंद्र सिंगला (बल्लभगढ़)

दिव्या गर्ग (पलवल)

राजीव सिंगला (बल्लभगढ़)

आरती (बल्लभगढ़)

आप भी यदि इस कॉलम में अपना फोटो प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उठाइए अपना मोबाइल फोन और आप अपने घर पर जो भी नया कर रहे हैं उसकी सेल्फी लें और भेज दें हमें नीचे लिखे व्हाट्सएप नंबर पर।

9811016963

पलवल में सत्यजय टाईम्स पत्र प्राप्त करने व विज्ञापन हेतु संपर्क करेः- कमेटी चौक, वार्ड नंबर-19, अरियन हॉस्पीटल के पीछे, मकान नंबर-237, **लक्ष्मण शर्मा**- 8295307492, **कपिल शर्मा**-98965 82968

होड़ल में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए संपर्क करें- अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र - अमित अग्रवाल 9254588483

नूहं जिले में दैनिक सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने एवं दैनिक सत्यजय टाईम्स में कोर्ट नोटिस, खोया पाया, बेदखली व अन्य प्रकार के विज्ञापन छपवाने के लिए संपर्क करें, जुबैर खान, नूंह बिजली बोर्ड के सामने, ऑफिस नूंह 9813631877, 8059131877 नूंह मेवात

सोहना में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र में समाचारों के लिए संपर्क करें- अशोक गर्ग -9354135063

दिल्ली ब्यूरो कार्यालय मकान नम्बर 304 गली नम्बर 5 मूगा नगर, करावल नगर रोड़ दिल्ली 94

यदि आप भी अपने किसी प्रियजन स्वजन को किसी भी प्रकार का कोई संदेश फोटो के साथ देना चाहते हैं, तो सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक इसमें आपका सहयोग करने को तैयार है, आप अपना संदेश अपने नाम व फोटो सहित हमें 7838364763 नंबर पर व्हाट्सएप करें। हम उसको सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक में प्रकाशित करेंगे।

संपादकीय कार्यालय

खबरों व विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
5आर-1 (प्रथम तल) नियर एच.डी.एफ. सी. बैंक बी.के. चौक एनआईटी फरीदाबाद।
मोबाईल नं-9811232533, 0129-4042533

स्वत्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक व मालिक) रूपेश कुमार बंसल द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस डी-85 सैक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर उत्तर-प्रदेश 201301 से मुद्रित कर मकान नम्बर- 35/ए न्यू कालोनी, रेलवे रोड़ (भाटिया क्रेन वाली गली) फरीदाबाद 121001 (हरियाणा) से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-विजय चौहान* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।